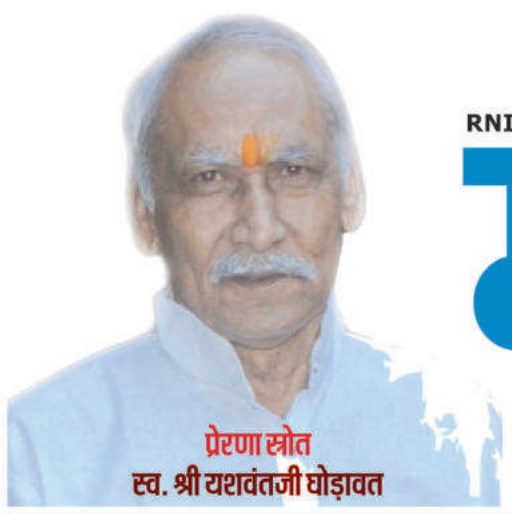

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

अन्याय और अत्याचार करने वाला, उतना दोषी नहीं माना जा सकता, जितना कि उसे सहन करने वाला।

बाल गंगाधर तिलक

वर्ष-05, अंक - 19 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 09 फरवरी 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

अगर विकास किया है तो विकास यात्रा की क्या जरूरत...?

जनता के पैसों पर भाजपा का प्रचार...

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। कहते हैं कि फूलों की खुशबू को कोई रोक नहीं सकता है, फुल है तो वो महकेगा ही। कुछ इसी प्रकार भाजपा सरकार ने वास्तव में अगर विकास किया है तो उसे विकास यात्रा की क्या आवश्यकता है...?

भाजपा सरकार को मध्यप्रदेश में 20 वर्ष होने को आए हैं (बीच में 15 माह छोड़कर) उसके बावजूद सरकार को सरकारी खर्च पर विकास यात्रा निकालना कहीं न कहीं यह दर्शाता है कि, सरकारी योजना का लाभ जमीनी स्तर पर नहीं मिल पाया है। भ्रष्टाचार मुक्त शासन का दावा करने वाली भाजपा सरकार में ही सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार हो रहा है और यह विकास यात्रा पुराने भ्रष्टाचार पर पर्दा डालकर नया सपना दिखाने वाली यात्रा है, यह आम जनता का ही नहीं बल्कि चुने हुए जनप्रतिनिधियों का भी कहना है।

मध्य प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव हुए करीब 8 माह बीत चुके हैं पर नए जनप्रतिनिधियों के हाथ में आज तक पैसा नहीं आया है वे बड़े-बड़े वादे करके स्वयं के खर्चे पर चुनाव जीत चुके हैं लेकिन अब के वादे पूरे नहीं कर पा रहे हैं। कुछ जनप्रतिनिधियों ने अनऔपचारिक चर्चा में कहा है कि, लगभग 8 माह बीत चुके हैं आने वाले समय में विधानसभा और 2024 में लोकसभा चुनाव होने से अधिकांश समय में आचार संहिता लगी रहेगी ऐसे में 2024 लोकसभा चुनाव तक उनका आधा कार्यकाल बीत जाएगा ऐसे में जनता से किए गए वादे किस प्रकार पूर्ण करेंगे।

उधार लो खीर पीयो

एक खबर के अनुसार मध्य प्रदेश सरकार ने इस वितीय वर्ष में 17 हजार करोड़ रुपए का कर्ज ले लिया है और इस समय मध्य प्रदेश सरकार पर 3 लाख करोड़ से ज्यादा का कर्ज हो चुका है। सरकार का एक साल का बजट भी लगभग 3 लाख करोड रुपए का रहता है। ऐसे में मध्यप्रदेश सरकार पर 1 वर्ष के बजट के बराबर का कर्जा हो चुका है। बावजूद इसके सरकार न तो अपने खर्च में कटौती कर रही है और न ही घोषणाओं में कोई कमी कर रही है । इस पर कुछ बुजुर्ग कटाक्ष कर रहे हैं कि, कर्ज लेकर घी पीना कहां की समझदारी है।

भ्रष्टाचार बना शिष्टाचार

वर्तमान में भ्रष्टाचार, शिष्टाचार बन चुका है और यह भ्रष्टाचार आम जनता के साथ ही नहीं जनप्रतिनिधियों के साथ भी हो रहा है। कुछ चुने हुए

नए जनप्रतिनिधियों के अनुसार वर्तमान में कोई भी कार्य स्वीकृति के लिए प्रस्ताव बनाकर ले जाने पर कमीशन की मांग पहले की जाती है और कमिशन देने के बाद ही कार्य की स्वीकृति निकलती है। हर योजना में भ्रष्टाचार चरम पर फैला है। मोदी सरकार की घर-घर नल जल योजना के नाम पर भी भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है, योजना में करोड़ों रुपए बर्बाद किए जा रहे हैं। केवल टंकी निर्माण किया जाकर अमानक स्तर के पाइप डाले जा रहे। कुछ ऐसा ही कार्य मनरेगा और अन्य योजनाओं में किया जा रहा है। इस संबंध में कई लोगों का कहना है कि वर्तमान में सरकारी कार्य केवल फोटो खिंचवाने तक सीमित रह गया है। यानी बाहर से चकाचक कर केवल एक बार फोटो खींच जाए बाकी तो रामभरोसे है। पिछले वर्षों में गांव में सीमेंटीकरण के नाम पर करोड़ों रुपए के रोड बनाए गए हैं और वे रोड मात्र एक दो माह में ही खत्म हो गए हैं और उनपर धूल उड़ रही है। कुछ ऐसा ही भ्रष्टाचार शौचालय निर्माण में किया गया, जहां मात्र दीवारें खड़ी करके बाहर से फोटो खींच लिया गया है और वे शौचालय उपयोग के पूर्व ही जर्जर हो चुके हैं करोड़ों रुपए के शौचालय आज भ्रष्टाचार की कहानी स्वयं बतला रहे हैं।

पानी के टैंकरों की स्थिति

प्रतिवर्ष जल संकट की समस्या से निपटने के लिए सांसद, विधायक द्वारा ग्राम पंचायतों के टैंकर दिए जाते हैं लेकिन वे टेंकर किस प्रकार के होते हैं यह जग जाहिर है अगर वर्तमान में देखा जाए तो गिने-चुने टैंकर ही चालू हालत में मिलेंगे लेकिन रिकॉर्ड में सैकड़ों टैंकर होंगे।

शिक्षा और स्वास्थ्य

सरकार की सबसे प्रमुख जिम्मेदारी आम जनता को निशुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाना लेकिन आज मामूली बुखार का इलाज करवाना हो तो भी आम नागरिक को निजी अस्पतालों में जाना पड़ता है। क्योंकि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर ही नहीं है यही हाल शासकीय विद्यालयों का भी है यहां शिक्षक ही नहीं है।

उधारी पर मनरेगा

मजदूरों को 100 दिन की मजदूरी सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय रोजगार गारंटी (मनरेगा) लागू है लेकिन इस योजना में 1-1, 2-2 साल बीत जाने के बाद भी सरकारी पैसे नहीं मिलने के कारण मजदूरों की मजदूरी नहीं मिलती है। वही कार्य करने वाली एजेंसी के कर्ता धरता बाजार से उधारी पर निर्माण सामग्री हो या शासकीय निर्माण कार्य में ट्रैक्टर या अन्य मशीनरी कार्य हेतु लाते हैं और एक-दो माह में कार्य करने का पैसा मिल जाएगा कहते हैं । लेकिन कार्य होने के बाद ट्रैक्टर मालिक हो या अन्य मशीनरी संसाधन मालिक सभी सरपंच सचिव व संबधित विभाग के इंजीनियरों को फोन लगा लगाकर परेशान हो जाते हैं लेकिन 2-2 साल तक के कार्य के भी पैसा नहीं मिल पा रहा है । जिसके चलते संसाधन वाले भी कर्जे में डूबे है। जिन पेटी ठेकेदारो ने शासकीय कार्य का ठेका लिया वह ठेकेदार भी मजदूरी व निर्माण कार्य करने के बाद कर्ज में डूबे है। ऐसे में कोई ठेकेदार शासकीय कार्यो का वर्तमान स्थिति में ठेका लेने से दूरी बना रहा है, तो वहीं मशीनरी संसाधन वाले भी शासकीय कार में अपने संसाधन देने से मना कर रहे हैं। जिससे देखकर साफ है कि, संबधिंत विभाग के इंजीनियर हो या सरपंच-सचिव बाजार में शासकीय कार्य के रुपैया से कर्ज के तले है और बाजार में मुंह छुपाने के लिए मजबूर है। ऐसे में भाजपा सरकार को विकास विकास यात्रा के रूप में निकाली जा रही यह यात्रा में जनता की नाराजगी साफ दिखाई दे रही है, नतीजन ढ़ाक के तीन पात की स्थिति भाजपा सरकार की सामने आ रही है।

राहुल गांधी की मानसिक आयु पर सीएम शिवराज को संदेह...?

भोपाल।

लोकसभा में दिए राहुल गांधी के भाषण पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनकी मानसिक उम्र को लेकर तंज कसा। सीएम शिवराज सिंह ने कहा, मुझे राहुल जी की मानसिक आयु पर सदैव संदेह होता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण में जो बातें कही जाती हैं उन पर चर्चा होती है, लेकिन अभिभाषण पर एक बात नहीं की और वह उद्योगपतियों के बारे में बोलते रहे।

दरअसल, मंगलवार को अपने भाषण के दौरान राहुल गांधी लगातार पीएम मोदी और उद्योगपति अडाणी को लेकर हमलावर रहे। राहुल गांधी ने लोकसभा में अडाणी की संपत्ति में हुई तेजी से वृद्धि पर सवाल पूछा था। जिसके बाद बुधवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनकी मानसिक उम्र को लेकर कटाक्ष किया है। राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में दिए गे भाषण के बाद वो भाजपा के निशाने पर आ गए थे। भाजपा के सभी नेताओं ने उन्हें निशाने पर लिया। दरअसल, राहुल गांधी ने अपने भाषण में पीएम मोदी से कई तीखे सवाल पूछे थे। भाषण के दौरान राहुल गांधी ने पूछा कि, एक उद्योगपति जो पहले अमीरों की टॉप 500 सूची में भी नहीं था वो कुछ वर्षों में दूसरे नंबर पर कैसे आ गया। राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान पीएम मोदी और गौतम अडाणी के बीच रिश्तों को लेकर भी सवाल खड़े किए।

सदन में लेकर आए फोटो

अपने भाषण के दौरान राहुल गांधी सदन में फोटो लेकर भी आए थे। उस फोटो में हवाई जहाज के अंदर पीएम मोदी के साथ उद्योगपति गौतम अडाणी भी बैठे हुए दिखाई देते हैं। राहुल गांधी की इस फोटो के जवाब में भाजपा ने कहा कि, राहुल गांधी की रॉबर्ड वाड्रा के साथ वाली फोटो लेकर क्यों नहीं आए...?

भारत में होता हिंडनबर्ग तो यूएपीए का करना पड़ता सामना- ओवैसी

नई दिल्ली।

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने गौतम अडानी मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि, यदि हिंडनबर्ग भारत में होता, तो उसे यूएपीए का सामना करना पड़ता।

पिछले कई दिनों से बजट सत्र में विपक्ष ने अडानी-हिंडनबर्ग मामले पर सदन में हमला बोल रखा है। बीते दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी लोकसभा में अडानी मामले को उठाते हुए पीएम मोदी पर निशाना साधा।

संसद में जारी गतिरोध के बीच ओवैसी ने कहा, अगर हिंडनबर्ग भारत में होता, तो उसे अडानी समूह के बारे में एक रिपोर्ट जारी करने के लिए गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) का सामना करना पड़ता। उन्होंने गौतम अडानी के साथ अपने संबंधों को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा और कहा, ये आपके लिए बहुत दुर्भाग्यशाली है। पूरा बाजार 5वें पायदान पर आ गया है।

म.प्र. चुनाव में आप की एंट्री से भजपा-कांग्रेस में खलबली

भोपाल।

इस वर्ष के अंत तक मध्य प्रदेश में विधान सभा चुनाव होने हैं। दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी आम आदमी पार्टी (आप) ने राज्य की सभी 230 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। आप ने इस दिशा में एक मिस्डकॉल नंबर जारी किया है, ताकि अधिक से अधिक संख्या में लोगों को पार्टी से जोड़ा जा सके और उन तक अपनी बातें पहुंचाई जा सके।

दिल्ली, पंजाब, हिमाचल, गुजरात की तरह एमपी में भी आप लोगों को मुफ्त बिजली-पानी देने का वादा कर सकती है। इसके अलावा संविदा पर बहाल कर्मियों को स्थाई करने का मुद्दा उछाल सकती है। आप के चुनावी मैदान मे उतरने से सत्ताधारी भाजपा और 2018 के चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी कांग्रेस को करीब डेढ़ दर्जन सीटों पर खतरा मंडराने लगा है।

इनमें वे सीटें शामिल हैं जहां 2018 में हार-जीत का अंतर एक हजार वोटों के करीब रहा है। कई सीटों पर तो हार-जीत के अंतर से ज्यादा वोट नोटा को मिले थे। ऐसे में आप के उतरने से इन सीटों पर जीत का समीकरण बिगड़ सकता है।

मध्यप्रदेश में आप पार्टी उन विधानसभा क्षेत्रों पर अपनी निगाहे रखेगी जहां पर पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा कमजोर साबित हुई थी। ऐसे में बीना, कोलारस, जावरा, ग्वालियर दक्षिण, सुवासरा, जबलपुर उत्तर, राजनगर, दमोह, ब्यावरा, राजपुर (एसटी), देवतालाब, इंदौर-5, मांधाता, नेपानगर, जोबट, गुन्नौर, पेटलावद में आप अपनी पकड़ मजबूत करेगी।

चुनावी दावः विवाहित बेटियों को अनुकंपा नौकरी पाने के अधिकार देने पर लगी मुहर

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने मृत सरकारी कर्मचारियों की विवाहित बेटियों को बेटे की तरह अनुकंपा के आधार पर नौकरी पाने का समान अधिकार मिले इसके लिए नियमों में संशोधन करने का निर्णय किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में यहां हुई कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि, कैबिनेट ने फैसला किया है कि बेटों की तरह विवाहित बेटियों को भी अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पाने का समान अधिकार है। सामान्य प्रशासन विभाग को नियमों में जरूरी संशोधन करने का निर्देश दिया गया है। इस वर्ष की शुरुआत में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सरकार को मृत कर्मचारी की विवाहित बेटी को नौकरी देने का निर्देश दिया था। कैबिनेट ने मंगलवार को अदालत के फैसले का हवाला देते हुए इसे आधिकारिक नीति बनाने का फैसला किया।

वहीं कैबिनेट की बैठक से पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, प्रदेश में विकास यात्रा जारी है। विकास यात्राओं का मकसद जन-जन से संवाद करना है। इसका मकसद लोगों को विकास और जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनश्चिति करना भी है। बता दे कि, इस वर्ष राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई वाली सरकार के इस फैसले को बड़ा चुनावी दाव माना जा रहा है। विकास यात्रा के चलते बाकी मंत्री बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

पीएम ने संसद में डेढ़ घंटे दिया भाषण, अडानी से जुड़े एक भी सवाल का नहीं दिया कोई जवाब

नई दिल्ली।

संसद में अपने डेढ़ घंटे के भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अडानी से जुड़े सवालों का जवाब नहीं देने को लेकर कांग्रेस ने निशाना साधा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि, प्रधानमंत्री उनकी (अडानी) की रक्षा कर रहे हैं। राज्यसभा से लेकर लोकसभा तक कांग्रेस हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा अडानी समूह को लेकर लगाए गए आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग कर रही है।

कांग्रेस ने पूछे थे सवाल

इसको लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अडानी समूह से जुड़े मामले का हवाला देते हुए मंगलवार को लोकसभा में आरोप लगाया था कि, 2014 में केंद्र की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी के आने बाद ऐसा 'असली जादू' हुआ कि आठ वर्षों के भीतर उद्योगपति गौतम अडानी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए यह दावा भी किया था कि मौजूदा सरकार के दौरान नियम बदलकर हवाई अड्डों के ठेके अडानी समूह को दिए गए।

बचा रहे पीएम- राहुल

राहुल गांधी ने पीएम मोदी से अडानी से जुड़े कई सवाल पूछे थे। ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि, पीएम मोदी आज अपने भाषण के दौरान अडानी से जुड़े आरोपों पर जवाब दे सकते हैं। हालांकि उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बाद राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने जो वक्तव्य दिया उसमें सच्चाई नहीं थी और वह उद्योगपति गौतम अडानी का बचाव कर रहे हैं। उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''भाषण में सच्चाई नहीं है। अगर (अडानी) मित्र नहीं हैं तो यह कह देते कि जांच होगी।''

बहुत बड़ा घपला है ये

राहुल गांधी ने कहा, शेल कंपनियां और बेनामी संपत्तियां राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय हैं। भारत के बुनियादी ढांचे से जुड़ा विषय हैं। ये बहुत बड़ा घपला है। इस बारे में प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा। उन्होंने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री उनका (अडानी) बचाव कर रहे हैं। मैं समझता हूं। इसका कारण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि, दुनिया में कोरोना महामारी सहित अनेक संकटपूर्ण हालात के बीच देश को जिस तरह से संभाला गया, उससे पूरा देश आत्मविश्वास से भर रहा है एवं पूरे विश्व में भारत को लेकर सकारात्मकता, आशा और भरोसा है। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए विपक्षी कांग्रेस पर भी निशाना साधा।

अपनी ही पार्टी के सांसद और विधायक से उमा भारती ने किए तीखे सवाल

निवाड़ी।

उमा भारती ने मध्य प्रदेश के ओरछा में जिस मधुशाला को गौशाला में तब्दील कर दिया था। उस शराब की दुकान के बंद न हो पाने के रहस्य से अब परदा उठाया है। उमा भारती ने एक के बाद एक कई सिलसिलेवार ट्वीट किए। उमा भारती ने बीजेपी विधायक और सांसद को इस वाकए का दोषी ठहराते हुए लिखा है कि, जब दोनों मिलेंगे तो वह पूछेंगी कि क्या आपको राम का नाम लेने का अधिकार है।

उमा भारती ने ट्वीट कर कहा, ओरछा की शराब की दुकान के नहीं हटाए जाने का रहस्य खुल गया है। हमारी सरकार ने जब दुकान को बंद करने का नोटिस दिया था तो तीन बातें गलत तरीके से प्रस्तुत की गईं। तर्क यह दिया गया कि, यह ओरछा के रामराजा सरकार के मंदिर से एक किमी से ज्यादा दूर है। यह नहीं बताया गया कि, यह रामराजा सरकार के मंदिर के प्रवेश द्वार के मुहाने पर है और रोड के मध्य से केवल 17 फीट की दूरी पर है। पर्यटक वहीं से प्रवेश करते हैं।

उमा भारती ने कहा कि, यह दुकान पहले अंदर की तरफ डेढ़ किलोमीटर दूर थी। तब कमाई कम होती थी, ठेकेदार को लाभ दिलाने के लिए जिला आबकारी विभाग ने यह दुकान यहां खुलवाई। इस दुकान के खुलने का विरोध ओरछा के नागरिकों, विद्यार्थी परिषद, बजरंग दल के नेताओं ने मिलकर किया था। सरकार के पास सबसे बड़ी शक्ति होती है लेकिन हमारी सरकार ऐसी शराब की दुकानों के सामने कैसे शक्तिहीन हो गई यह खोज का विषय है।

उमा भारती ने कहा कि, मेरी जानकारी में शिवराज जी को इस विषय की समग्रता से जानकारी नहीं है। मैं शिवराज जी को जानती हूं। यदि यह बात उनकी जानकारी में होती तो यह दुकान बंद हो जाती। शिवराज जी ओरछा में कई बार आते हैं, निवाड़ी जिले के विधायक और सांसद उनको घेरे रहते हैं जिससे वास्तविकता का पता नहीं लग पाता है।

इतनी जानकारी इकट्ठी करने के बाद मैं यहां के सांसद एवं विधायक को शत-प्रतिशत इसके लिए दोषी मानती हूं। वह दोनों हमारे मुख्यमंत्री जी को सत्य से अवगत ही नहीं करा पाए। अब मैं इन दोनों से बात करूंगी। मैं इन दोनों से पूछूंगी कि क्या इन्हें राम का नाम लेने एवं रामराजा सरकार की जय बोलने का अधिकार है? एक दिन पहले उमा भारती ने ट्वीट कर कहा था कि, मैं भाजपा, राज्य सरकार या शिवराज जी के खिलाफ नहीं हूं। मेरे लिए तो शराब मेरी दुश्मन है और गंगा जी मेरी इष्ट हैं।

शिक्षा विभाग कार्यालय में हुए 16 करोड़ से अधिक गबन के मामले में पुलिस के हाथ में आया एक और आरोपी, 5 आरोपी अब भी फरार

माही की गूंज जोबट/उदयगढ।

उदयगढ़ में दो वर्ष पूर्व 16 करोड से अधिक के भ्रष्टाचार मामले में एफआईआर दर्ज हुई थी। जिसमें उदयगढ़ पुलिस द्वारा 8 आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी है । जिसमें पूर्व बीईओ सूरजसिंह पिछले साल जुलाई में पकड़ाया था। इसमें से एक आरोपी की कोरोना से मृत्यु हो चुकी है। 7 आरोपी उपजेल जोबट में बंद हैं । नवीन श्रीवास्तव 9 वां आरोपी है । जबकि 5 आरोपी अब तक फरार चल रहे हैं । इस संबंध में फरार आरोपियों के खिलाफ जोबट न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए थे। पुलिस का कहना है, हम लगातार आरोपियों की तलाश में है। इसी का परिणाम है कि, एक और आरोपी भोपाल से पकड़ाया है । शेष आरोपी पुलिस को चकमा दे रहे हैं । पुलिस का दावा है कि इन्हें भी जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

मनकामेश्वर महादेव मंदिर में था आरोपी

एसपी मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी अनसिंह भाभर के नेतृत्व में टीम बनाई गई। इस टीम में एएसआई जगन्नाथ चावड़े, आरक्षक श्याम नारायण चिउरसीय, आरक्षक हितेश नायक व अन्य पुलिस जवान को लिया गया। टीम लगातार खोजबीन कर रही थी। इस बीच टीम को श्रीवास्तव की लोकेशन भोपाल की मिली। मुखबीर की सूचना पर टीम को राजधानी के रीगल टाउन एरिया में स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर में आरोपी नवीन श्रीवास्तव के होने की जानकारी मिली। पुलिस अलसुबह करीब पांच बजे से ही मंदिर पहुंच गई तभी साढ़े पांच बजे के करीब आरोपी नवीन श्रीवास्तव मंदिर में महादेव को जल चढ़ाने और पूजा करने के लिए पहुंचा तो पुलिस ने उसे धरदबोचा। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर उदयगढ़ लाया गया। जहां से उसे न्यायालय लाया गया।

ये है पूरा मामला

16 जुलाई 2020 को थाना उदयगढ़ पर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग आलीराजपुर द्वारा खंड शिक्षा कार्यालय उदयगढ़ में 1 करोड़ 22 लाख 85 हजार 139 रुपए के गबन राशि का है इसके आरोपी रितुराजसिंह सोलंकी पर थाना उदयगढ़ में धारा 409, 420, 467, 468, 471, 120 बी, 201 भादवि का अपराध विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी सोलंकी को गुजरात के वडोदरा से गिरफ्तार किया गया था। आरोपी से पूछताछ के बाद घटना के संबंध में साक्ष्य एकत्रित किए गए। जिसमें धीरे-धीरे कुल 14 से 15 लोगों के गबन में शामिल होने की बात सामने आई। सभी आरोपियों पर केस दर्ज होने के बाद अब तक 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई जबकि अन्य फरार है।

ये 5 आरोपी अब भी फरार मे है

पूर्व बीईओ आरकेएस तोमर, सेवानिवृत्त बीईओ परमानंद धाकड़, पूर्व बीईओ डूंगर सिंह सोलंकी, पूर्व लेखापाल बीएल राव, सेवानिवृत्त उप कोषालय प्रभारी अधिकारी नरसिंह भूरिया

ये अब तक हो चुके हैं 9 आरोपी गिरफ्तार

प्रभारी लेखापाल रितुराज सोलंकी, सहायक ग्रेड 2 बाबू अशोक नीमा, पूर्व लेखापाल केएस भूरा, पूर्व बीईओ बीपी पटेल, पूर्व बीईओ एमएल परमार, पूर्व बीईओ नवीन श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त बीईओ नवलसिंह रावत, पूर्व बीईओ सूरजसिंह गिरफ्तार किया जा चुके हैं। सेवानिवृत्त मंडल संयोजक हेतराम राजपूत की मौत हो चुकी है।

खबर का असर...

नहीं गली गोस्वामी की दाल ,रामा के लिए हुआ रिलीव, कुछ पर और गिरेगी गाज

माही की गूंज | झाबुआ | 02 फरवरी 2023 | 8

एक और जनपद कर्मचारी का हुआ स्थान्तरण जो रिलीव होगा या न्यायालय की आड़ में होगा लेन-देन का खेल

माही की गूंज , पेटलावद।

पिछले अंक में प्रमुखता से प्रकाशित गूंज खबर ÷एक और कर्मचारी का हुआ स्थान्तरण होगा रिलीव या न्यायालय की आड़ में होगा लेन-देन÷ के बाद जनपद पंचायत में सहायक लेखाधिकारी के पद पर पदस्थ मुकेश गोस्वामी को आखिर रामा ब्लाक के लिए रिलीव कर दिया गया। उक्त स्थान पर स्थान्तरित हो कर आये रामा ब्लॉक से सहायक लेखाधिकारी शर्मा ने चार्ज सम्भाल लिया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत के माध्यम से होने वाले कार्यो के बिलों के भुगतान में लेन-देन की बात सामने आई थी। हालांकि जनपद में वर्षो से जमे बैठे कई कर्मचारी यहां से अब रवाना किये जा सकते हैं। विधानसभा चुनाव को देखते हुए फेरबदल संभावित है जो अभी से अधिकारीयो से साठ-गांठ कर यही जमे रहने की कोशिश करते दिख रहे हैं। जनपद में लगभग 25 वर्षो से अधिक समय से जमा कृपाराम जाटव न्यायालय की आड़ में दो साल से पेटलावद जनपद में ही टिका हुआ है। जबकि एक अन्य कर्मचारी रामलाल कुंवर भी बीस साल से अधिक समय से पेटलावद जनपद में जमा होकर स्थान्तरित होने के बच निकला है । जनपद में वर्तमान में अभी भी ऐसे कई कर्मचारी है जो दस-पंद्रह साल से नही बल्कि 25 से 30 वर्षो से यही जमे हुए है और नोकरी की आड़ में बड़ी सेटिंग जिला सीओ तक जमा चुके हैं ओर हर बार नए सीओ को भेंट पूजा कर बचने में कामयाब हो कर अपनी पुरी नौकरी का कार्यकाल यही पर पुरा करने हेतु जुगत में कामयाब हो जाते हैं।

विकास यात्रा में हितग्राहियों को लाभान्वित करने और समस्याओं के निराकरण में कमी नहीं छोड़ी जाए

विकास यात्रा के दौरान करते रहें नवाचार - मुख्यमंत्री चौहान

विकास यात्रा के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित कुपोषण से मुक्ति अभियान की माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा झाबुआ जिले की प्रशंसा की गई

माही की गूंज, झाबुआ।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में 5 फरवरी से 25 फरवरी तक चलने वाली विकास यात्रा के माध्यम से हितग्राहियों को लाभान्वित करने और उनकी समस्याओं का निराकरण करने में किसी भी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी जाए। जन-प्रतिनिधियों के साथ यात्रा में संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहें। विकास यात्रा का आयोजन अच्छे ढंग से हो। मुख्यमंत्री चौहान गत रात्रि में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के द्वारा जन-प्रतिनिधियों एवं जिलों के अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग उपस्थित थे। अन्य मंत्रीगण, विधायक, जन-प्रतिनिधि और जिलों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में वर्चुअली उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि कुछ जिलों में अच्छे नवाचार किए गए हैं। उन्होंने गुना, मंडला, राजगढ़, सीहोर, श्योपुर, झाबुआ, इंदौर, नर्मदापुरम, जबलपुर, शहडोल, रतलाम और कटनी जिले में किए जा रहे नवाचारों की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि यह विकास यात्रा केवल कर्मकांड नहीं जनता की जिंदगी बदलने का अभियान है। विकास यात्रा में स्वीकृति पत्रों का वितरण, विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ देने के साथ-साथ छात्रावासों और आँगनबाड़ियों में जाना है, बच्चों से बात करना है। आमजनों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ना है। कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ लेने से वंचित नहीं रहे। कई जगह विकास यात्रा का अच्छा रिस्पोंस है। जहाँ व्यवस्थाओं में कमी है वहां उन्हें सुधारकर बेहतर विकास यात्रा निकाली जाए।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मेरे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता विकास यात्रा है। इसे सार्थक बनाना है। आडियो-वीडियो के द्वारा गीतों को चलाया जाए। अभी तक प्रदेश की 230 विधानसभाओं में 46 हजार 300 ग्राम यात्रा के रुट में जोड़े गए हैं। अब तक 553 करोड़ के लोकार्पण और 502 करोड़ के भूमिपूजन हुए हैं। जनता के आवेदन भी मिल रहे हैं जिनका निराकरण शत प्रतिशत हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विकास यात्रा को इंटरेस्टिंग और उपयोगी बनाया जाए। विकास यात्रा के बीच-बीच में मैं भी शामिल होने आऊंगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रभारी मंत्री विकास यात्रा की रोज समीक्षा करें और मुझे प्रतिवेदन भेजें। जनता इस यात्रा से प्रसन्न हो।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि हर घर जल लाने का कार्य चल रहा है। समूह पेयजल योजना, सिंचाई की योजनाओं के पूरा होने पर कलश पूजन कराएं और ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी भी दें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यात्रा के दौरान रचनात्मक कार्य किए जाना अभिनंदनीय है। लाड़ली बहना योजना और पेसा अधिनियम की चर्चा गाँव-गाँव में हो।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि विकास यात्रा में उत्साह के साथ नवाचार करते रहें। लाड़ली बहना योजना के कारण जो उत्साह बहनों में देखने को मिल रहा है, उसको और अधिक ढंग से प्रचारित करें। प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रति दिन प्रचार-प्रसार हो। यात्रा के प्रति लोगों की उत्सुकता बढ़े। यात्रा में विशिष्ट हस्तियों को जोड़ने और जन-भागीदारी को बढ़ावा देने की कोशिश करें। जनता और हितग्राहियों के बीच बेहतर संवाद हो। यात्रा को उत्सुकतापूर्ण और बहुआयामी बनाया जाए। विकास यात्रा की कलेक्टर्स अपने स्तर पर प्रति दिन समीक्षा करें। हर तीन दिन में मैं भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विकास यात्रा की समीक्षा करता रहूँगा।

मुख्यमंत्री चौहान ने विकास यात्रा के संबंध में कलेक्टर्स से जानकारी ली। मंत्रियों, विधायकों और जन-प्रतिनिधियों ने भी विकास यात्रा के संबंध में जानकारी और सुझाव दिए। माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की वीसी के दौरान एनआईसी कक्ष झाबुआ में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर एस एस मुजाल्दा , सांसद प्रतिनिधि अजय डामोर अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पुल पर आई दरारे

माही की गूंज, कुंदनपुर।

राणापुर-कुंदनपुर सड़क मार्ग पर मोद नदी पर दो साल पहले बनाए गए पुल की एप्रोच में दरारें आने लगी हैं। 3.487 करोड़ की लागत से बने पुल की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुल लोक निर्माण विभाग सेतु परिक्षेत्र भोपाल ने बनवाया। 2018 में स्वीकृत हुए पुल 2021 में पूरा हुआ। पुल 75 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा है। मां नर्मदा एग्रोकेट इंफ्रास्ट्रक्चर इंदौर ने इसे बनाया। आसपास के किनारों को पत्थरों से पिचिंग भी नहीं की गई। हर दिन सैकड़ों वाहन यहां से गुजरते हैं। विभाग के अधिकारी नरेंद्र पुनिया का कहना है, छोटी दरार है, इसे दुरुस्त करवा दिया गया है।

बिना अनुज्ञापत्र के मंडी अधिकारियों ने की साल जप्त

माही की गूंज, थांदला। नव नियुक्त अनुविभागीय अधिकारी एवं भारसाधक अधिकारी कृषि उपज मंडी समिति थांदला के निर्देशन में पेटलावद रोड पर निरीक्षण के दौरान रात्रि में वाहन क्रमांक एमपी 45एच 2111में साल की 50बोरिया जिसका वजन 37किवंटल के करीब था। बगैर अनुज्ञापत्र के अवैध परिवहन करते पाये जाने पर दंडात्मक कार्यवाही करते हुए समस्त शुल्क सहित 8419की राशि गोवर्धन फर्म के राहुल राठौड़ से वसूली की गई।

दल प्रमुख श्रीमती लक्ष्मी भंवर प्रभारी सचिव, सहायक उपनिरीक्षक गण मेथुसिंह बारिया, प्रेमसिंह हीहोर, पंकज राठौर, हर्षित यादव उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो की मौत, जामली-बरवेट मार्ग पर हुआ हादसा

माही की गूंज, जामली।

सोमवार रात आठ से नौ बजे के बीच जामली-बरवेट मार्ग पर दुर्घटना होने से दो लोगों की मौत हो गई।घटना के अनुसार जामली-बरवेट मार्ग पर जामली की और से बाईक सवार अपने गतंव्य को जा रहे थे। तभी रास्ते में अज्ञात वाहन की टक्कर से दुर्घटना घटित हुई। जिसमें प्रकाश खराड़ी 25 वर्ष की मौके पर मौत हो गई। वही दूसरे गंभीर घायल रामचंद्र खराडी ने पेटलावद चिकित्सालय में दम तोड़ा। हादसा इतना भयानक था कि मृतक का शव क्षत-विक्षत हो गया।वहीं घटना में बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।घटना की सूचना मिलते ही रायपुरिया थाने से पुलिस बल एंबुलेंस वाहन भी मौके पर पहुंचा।

रायपुरिया थाना प्रभारी राजकुमार कुंसारिया ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से 2 लोगों की मौत हुई है। मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है।

बेलगाम रफ्तार पर नही अंकुश, सडक साईड पट्टी भी बदहाल

जामली-बरवेट मार्ग पर इसके पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी है। जिस स्थान पर सोमवार रात को हादसा हुआ वही कई वर्षों पूर्व बोलेरो वाहन तथा कहीं बाइक सवारों के साथ दुर्घटना हुई है। इसके पीछे बड़ा कारण सड़क की साइड पट्टी की बदहाल अवस्था भी है। उक्त मार्ग सिंगल पट्टी होने के चलते तथा साइड पट्टी ठीक ना होने के चलते बड़े वाहनों को रास्ता देने के लिए बाइक सवारों के लिए फजीहत होती है।ऐसे में हादसे हो जाते हैं। वहीं पास में अंधा मोड़ है जिस पर कोई दिशा सूचक बोर्ड लगा हुआ नहीं है। इसी के साथ आसपास झाड़ियों की साफ-सफाई ना होने के चलते भी वाहन चालक रात्रि के समय आमने सामने वाहनों का अंदाजा ठीक से नहीं लगा सकते। उक्त मार्ग पर बड़े वाहनों की रफ्तार भी बहुत तेज रहती है। तेज रफ्तार में निकलते वाहनों पर अंकुश लगाना भी आवश्यक है ताकि हादसों मे कमी आए।

कल्याणपुरा में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत कांग्रेसी हुए जनता से रूबरू

माही की गूंज, झाबुआ।

हर बूथ पर पहुंचेगी यात्रा....भाजपा सरकार की गिनाई जाएगी नाकामियां

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के क्रम में मध्यप्रदेश में शुरू किए गए हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का शुभारंभ झाबुआ जिले में भी किया गया। यात्रा की शुरुआत झाबुआ विधानसभा के गांव कल्याणपूरा से विधायक कांतिलाल भूरिया ने शामिल होकर की।

गुजरी बाजार से शुरु हुई हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। यात्रा पूरे नगर भ्रमण करती हुई पुराने बस स्टैंड पहुंची जंहा पर एक नुक्कड़ सभा हुई। यात्रा में घर-घर लोगों को भाजपा सरकार की वादा खिलाफी नीतियों के बारे में बताया और जनता से हाथ से हाथ जोड़कर अभिवादन कर समर्थन मांगा।

भाजपा के खिलाफ जमकर बरसे डॉ विक्रांत भूरिया

कल्याणपूरा बस स्टैंड पर पहले दिन की यात्रा का समापन हुआ। जिसको संबोधित करते हुए यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष डॉ विक्रांत ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी ने पूरे देश को सिर्फ एक संदेश दिया है कि नफरत छोड़ो और देश को जोड़ो. राहुल गांधी की यात्रा पूर्ण रूप से एक वैचारिक यात्रा थी, जिसका असर पूरे देश के लोगों में देखा गया है। अब इस यात्रा के दूसरे चरण में राहुल गांधी के इसी विचार के जरिए कांग्रेस से लोगों को जोड़ने के लिए हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम शुरू किया गया है।

कांग्रेस की सरकार आ रही है-कांतिलाल भूरिया

नुक्कड़ सभा को सम्बोधित करते हुए झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया ने कहा कि यह हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा हर गांव में जाएगी और लोगों को भाजपा की झूठी नितीयों के बारे में बताएगी। भाजपा वाले झूठ बोलकर लोगों को बरगलाते है। जब विकास की बात होती है तो दिखते भी नहीं है। आज गरीब परेशान है, किसान परेशान है, पर यह लोग सुनने वाले नहीं है। इसलिए अब जनता समझ चुकी है। इस बार कांग्रेस की सरकार प्रदेश में बनने जा रही है। तभी आम जनता का भला होगा। हमारी सरकार में ही किसानों की सुनी जाएगी। व्यापारी की सुनी जाएगी। युवाओ की सुनी जाएगी। इसलिए इस बार भाजपा वालो के बहकावे में नही आना है और कांग्रेस को समर्थन करना है।

इस दौरान पूर्व विधायक जेवियर मेडा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका, जिला पंचायत अध्यक्ष सोंनल भाबोर और जसवंत भाबोर ने भी सभा को संबोधित किया। इस दौरान सुरेंद्र गरवाल, मकना निनामा, रविन्द्र ठाकुर, शंकर हटिला, विजय निनामा, काना गुंडिया , बबलू कटारा, हिम्मत नलवाया, प्रितेश घोड़ावत, ललित शर्मा, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्वेता गंगा मोहनिया, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष विनय भाभर सहित जनपद सदस्य और सरपंचगण के साथ समस्त कार्यकर्ता विशेष रुप से उपस्थित रहे। स्वागत भाषण रविन्द्र ठाकुर ने दिया। आभार ललित शर्मा ने माना।

आखिर कौन है मालिक इस हवा महल का, अवैध हटाने वाले ही अवैध बनाएंगे तो क्या होगा...?

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

नगर के मुख्य मार्ग से लगे श्रद्धांजलि चौराहे पर बना एक भवन चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल भवन का मालिक कौन है इसका अता पता नही है इसलिए लोग इसे हवा महल बोल रहै है । रंग रोगन से ओर चर्चाओं में इसे पुलिस चौकी बताया जा रहा है लेकिन कोई भी विभाग इसकी प्रमाणित पुष्टि करने को तैयार नही है। वही स्थानीय पुलिस अधिकारी भी इस भवन पर सवाल करने वालो को खुल कर कोई जबाब नही दे पा रहे हैं । वैसे तो पुलिस के किसी भी भवन का निर्माण ग्रह विभाग की अनुमति से सभवः होता है लेकिन यहां अवैध रूप से बना ये भवन ऑफ द रिकॉर्ड कही दर्ज नही है।

अतिक्रमण में बना है पूरा भवन,निमार्ण होने की शुरुआत से उठ रहे सवाल

वैसे तो नगर परिषद प्रशासन ऐसे अवैध रूप से होने वाले निर्माण पर तुरंत एक्शन लेता है । सड़क के किनारे बनी दुकानों के आगे अतिक्रमण में लगे ढालिये तक तोड़ देती है लेकिन निर्माण की शुरुआत से खड़े हो रहे सवालों के बीच स्थानीय प्रशासन और नगर परिषद आँख बंद कर बिल्ली की भांति दूध पी रहै है। ऐसा नही की उक्त भूमि और निर्माण को लेकर दावे आपत्ति दर्ज नही कराई गए हो,लेकिन वर्दी की धोस के आगे सभी नत्मस्तक दिखे । हा, यहा रोड की एजेंसी एमपीआरडीसी ने जरूर इस निर्माण पर सवाल उठा कर नोटिस जारी किए थे लेकिन घूम फिर कर बात स्थानीय प्रशासन पर ही आ गई जो इस अवैध निर्माण को लेकर अपनी मौन स्वीकृति पहले ही दे चुके थे।

वसुली या जन सहयोग

भवन निर्माण में लगने वाली सामग्री भी जन सहयोग के नाम पर वसुली कर लगाई गई है । ईट,सीमेंट,सरिया सहित समस्त लगने वाली सामग्री दान दाता के माध्यम से आई है लेकिन दान स्वेछिक नही होकर जबरजस्ती करवाया गया हुआ है। दान देने वाले दबी जुबान से बोल रहे हैं पुलिस वालों से कौन पंगा ले, कुछ ईट वाले सामने आए तो दो दिन में ही अपने कहे से बदल गए।

देखा जाए तो ये भवन किसी पुलिस चौकी के नाम से कम और पुलिस दादागिरी और प्रशासन के नियम विरुद्ध काम को स्वीकृति के लिए पहचाना जाएगा। नगर की कुछ संस्थाओं को इस निर्माण के लिए ढाल बनाया गया है जो पुलिस को इस कार्य मे सहयोग कर खुद के काले कारनामो के उजागर होने पर इस भवन निर्माण के सहयोग का हवाला देकर या मधुर हुए संबधो का लाभ उठा कर इसकी कीमत वसूल करेगे।

दोहरा मापदंड ठीक नही

जिस प्रकार से पूर्व में नगर में आई अतिक्रमण मुहिम में गरीबो के घर तोड़े गए और आये दिन नगर परिषद अतिक्रमण के नाम पर स्थानीय दुकानदारों को नुकसान पहुचाया जाता है वही अवैध रूप से हुवे इस निर्माण की लगातार शिकायतो के बाद भी प्रशासन दोहरा मापदंड अपनाते हुवे कोई कार्यवाही नही की जो समाज के लिए इस प्रकार का दोहरा मापदंड ठीक नही है । खेर जो भी हो नगर के मुख्य चौराहे पर इस भवन में चौकी बने या कुछ और ये भवन वर्दी के रोब ओर पंगु प्रशासन की निशानी के रूप में पहचाना जाएगा।

इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप पर योजना का लाभ उठा रहे वाहन चालक

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

इंडियन ऑयल कंपनी द्वारा ग्राहकों की सुविधा के लिए एक स्कीम के अंतर्गत 50 रूपये का पेट्रोल कंपनी द्वारा अपने मोबाइल नंबर देकर मुफ्त पेट्रोल भरवाने की योजना का लाभ उठाने के लिए पम्प पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप संचालक संदीप पाटीदार ने बताया कि, यह योजना 28 फरवरी तक रहेगी इसमें ग्राहकों को अपने 10 अंको का अपना मोबाइल नंबर देकर ओटीपी आने पर ग्राहक का मोबाइल नंबर इंडियन ऑयल कंपनी में रेगुलर ग्राहक के रूप में दर्ज होगा। ओटीपी आने के बाद में ग्राहक को इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप 50 रूपये का फ्री पेट्रोल डाल रहे हैं।

रेगुलर ग्राहक पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाता है तो उसको कंपनी की तरफ से एक कार्ड बनाया जाएगा और जब 100 पॉइंट होने पर ग्राहक को इंडियन ऑयल कंपनी द्वारा योजना के तहत उपहार दिया जाएगा।

पेट्रोल पंप संचालक ने सभी ग्राहकों से अपील की है इस स्कीम के तहत पेट्रोल भरवाए इंडियन ऑयल कंपनी की तरफ से उचित इनाम पाएं।

नगर परिषद सीएमओ आशा भंडारी ग्राम पंचायत कड़ावद क्षेत्र की संस्था में जांच करने पहुँची

आखिर कौनसी खिचड़ी को बगार लगाया जा रहा है

माही की गूंज, पेटलावद।

हर विभाग अलग और विभाग पदस्थ अधिकारी कर्मचारी का अपना दायरा होता है , खास कर नगर परिषद और ग्राम पंचायत के न केवल विभाग अगल है मंत्रालय

भी अलग-अलग है । विगत दिनों नगर परिषद पेटलावद की सीएमओ आशा भंडारी नगर परिषद क्षेत्र से बहार ग्राम पंचायत करडावद क्षेत्र में पड़ने वाली एकलव्य आवासीय संस्था के छात्रावास में जांच करने पहुँची । मामला किसी के समझ नही आया आखिर क्यों सीएमओ नगर परिषद क्षेत्र में बने लगभग 04 से 05 छात्रावासों को छोड़कर दूर ग्राम पंचायत क्षेत्र में पड़ने वाली ग्राम पंचायत करडावद में लगने वाली संस्था में जांच करने पहुँची। इस संबंध जब जानकारी जुटाई तो पता लगा कि सीएमओ मेडम को ऊपर से अधिकारीयो के मौखिक आदेश जांच के मिले थे जिसका कारण क्या था और किस लापरवाही की जांच के लिए मेडम अचानक एकलव्य संस्था के हॉस्टल में पहुँची इसकी कोई जानकारी नही दी जा रही है। राज्यपाल के दौरे के बाद से लगातार विवादों में घिरी एकलव्य संस्था में कोई कोई विवाद सामने आ रहा है । गत दिनों संस्था से टेम्पू भर के गेंहू निकले जिस टेम्पो में गेहूं भरे वो ओवरलोड होने से दुर्घटनाग्रस्त हो गया था , बताया जा रहा है टेम्पो मालिक जो कि खुद दो भोजनालय चलाता है । आनन फानन में सड़क से गेहूं समेट कर निकल गया। दुर्घटनाग्रस्त हुवे टेम्पू का वीडियो बनाने पर टेम्पो मालिक ये कह कर भड़का की मेरे टेम्पू से कोई नुकसान नही हुवा है क्यो वीडियो बना रहे बोल कर विरोध करने लगा, बाद में गेहूं की बोरियां आटा चक्की पर पिसाने के लिए जा रही बोल कर मामला रफा दफा किया गया लेकिन ये बात लोगो के गले नही उतरी टेम्पो मालिक की बौखलाहट साफ बता रही थी दाल में कुछ काला है । इससे पहले भी सोसायटी से संस्था में जाने वाले गेहूँ को बेचने की चर्चाओं ने जोर पकड़ा था । कही न कही पेटलावद नगर परिषद सीएमओ का एकलव्य की संस्था में यू अचानक बिना किसी लिखित आदेश के जांच के लिए जाना सवाल खड़े करता है की आखिर किस खिचड़ी को बगार लगाया जा रहा है जिसकी खुशबू चारों और फेल रही है ।

छात्रा की जान बचाने वाले कचरा वाहन चालक और सहयोगी हुए सम्मानित

माही की गूंज, पेटलावद।

थाना परिसर पेटलावद में आयोजित एक आयोजन में असली हीरो के रूप में नगर परिषद के कचरा वाहन चालक पवन अटकान एवं हेल्पर महेश राठौर को सम्मानित किया गया । दोनों ने सड़क के किनारे अचेत पड़ी युवती को तुरंत एम्बुलेंस बुला कर अस्पताल पहुँचाया था बाद में पता चला कि युवती ने जहर पिया था और समय पर अस्पताल पहुँचने के कारण उसकी जान बच सकी। उक्त मामले की जानकारी मिलने पर गूँज प्रमुखता से खबर प्रकाशित कर कचरा वाहन चालक पवन अटकान एवं हेल्पर महेश राठौर के कार्य की सराहना की थी । कचरा वाहन चालक पवन अटकान ने पुलिस अधिक्षक की और मिले असली हीरो सम्मान मिलने पर धन्यवाद दिया ।

ब्लॉक स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेले का हुआ आयोजन

आयुष मेला स्वास्थ शिविर में 578 मरीजों का उपचार कर निःशुल्क औषधि प्रदान की गई

माही की गूंज ,पेटलावद।

प्राचीन चिकित्सा पद्धति में आयुर्वेद होमियोपैथी का बड़ा महत्व है। इसको अपने जीवन मे अपनाने के लिए आगे आना पड़ेगा। बिना किसी साइड इफेक्ट के स्थाई उपचार इस पद्धति के माध्यम से किया जा सकता है।

यह बातें नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती ललिता योगेश गामड़ ने कही, संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय आयुष मिशन, आयुष विभाग म.प्र. शासन के अंतर्गत विकासखण्ड स्तरीय आयुष मेला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थी।

आयोजन जिला आयुष अधिकारी डॉ प्रमिला चौहान के निर्देशन में तहसील परिसर पेटलावद में किया गया। इसके साथ ही जिला कलेक्टर के निर्देशन में कुपोषित बच्चों के लिए स्वर्णप्राशन अभियान की शुरुआत भी की गई। विशेष अतिथि तहसीलदार जगदीश वर्मा ने आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार के अपने अनुभव साझा किए। विशेष अतिथि पार्षद गौतम गेहलोत, ममता गुजराती, नगर पत्रकार संघ अध्यक्ष जितेश विश्वकर्मा, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ जेके जैन से.नि. आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, लायंस झोंन चेयरमेन आलोक चौहान, डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन मनोज जानी, युवा नेता योगेश गामड़ ने भी सम्बोधित किया। अतिथियों ने भगवान धन्वंतरि एवं संत श्री रविदास जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर आयोजन की शुरुवात की। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में आयुष विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से लाभ लेने के लिए जनमानस को प्रेरित किया। आयुष मेला स्वास्थ शिविर में 578 मरीजों का उपचार कर निःशुल्क औषधि प्रदान की गई। शिविर में डॉ संजय पाटीदार, डॉ प्रवेश उपाध्याय, डॉ राहुल धमावत, डॉ पानु दंगोड़े, डॉ रितेश त्रिवेदी, डॉ निहारिका द्वारा सेवाएं प्रदान की गई एवं आयुष विभाग पेटलावद के समस्त कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर लायन चिंतन मंडलोई, नीलेश पालीवाल, दीपेश छजलानी, पवन भंडारी, लोकु परिहार, ओपी मालवीय, अनुराग गौड़ भी विशेष रूप से मौजूद थे। संचालन डॉ प्रवेश उपाध्याय ने किया। आभार डॉ संजय पाटीदार ने माना।

सड़क पर बह रहा नाली का पानी, आने-जाने में परेशानी

माही की गूंज ,रायपुरिया।

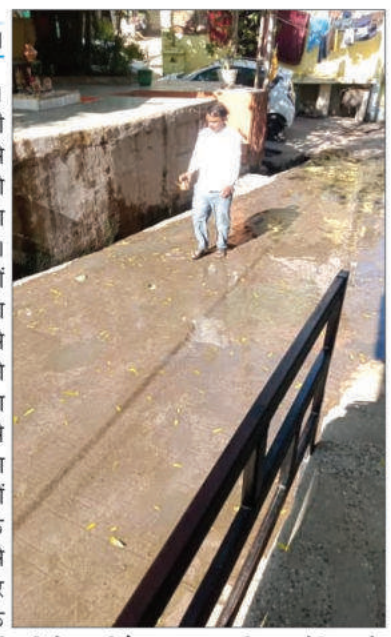

ग्राम के वार्ड क्रमांक 1 में कई महीनो से गंदा पानी रास्ते पर बह रहा है, जिससे आवागमन करने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवागमन के लिए लोगों को दूसरे रास्ते का सहारा लेना पड़ रहा है। पानी से बदबू आने से लोगों को संक्रामक बीमारियों का भय सता रहा है। इससे लोगों में रोष गहराता जा रहा है। गांव वार्ड के लोगों को मंदिर तक जाने के लिए बीते कुछ महीनों से नालियों के पानी से होकर गुजरना पड़ रहा । ठीक तरीके से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। बार बार नाली जाम होति इससे गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। नाली से सड़क पर गटर का गंदा पानी रोड़ पर होने से आवागमन ने दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। जिनको गंतव्य तक जाने के लिए सिर्फ इसी मार्ग का सहारा है, वे गंदे पानी के बीच से आने-जाने को विवश है स्थिति और भी खराब होती जा रही है। पानी से बदबू आने से संक्रामक बीमारियों का भय सता रहा है इससे हम लोग परेशानी झेलने के लिए विवश हैं। इस संबंध में पंचायत प्रतिनिधियों को कई बार मौखिक रूप से अवगत करा दिया लेकिन कोई जवाबदार समस्या को हल नही कर रहे नालियों से पानी निकासी की समस्या उत्पन्न हो रही है।

1857 की क्रांति में प्रथम स्वतंत्रता सेनानी अमझेरा नरेश अमर शहीद महाराज बख्तावरसिंह राठौर

मातृभूमि के चरणों में अपना सर्वस्व न्यौंछावर कर भारत की आजादी के लिए बलिदान हो गये

अमर शहीद महाराजा महाराज बख्तावरसिंह जी राठौर

माही की गूंज, अमझेरा। विक्रमसिंह राठौर

1857 क्रांति की ज्वाला उत्तर प्रदेश के मेरठ से जली थी लेकिन उसकी एक चिंगारी इस मालवा प्रांत के अमझेरा राज्य पर भी गिरी थी। जहाँ भारतमाता के वीर सपूत रण बांकुरे महायोद्धा महाराज बख्तावरसिंह राठौर निर्भिक होकर स्वाभिमान के साथ प्रजा के हितो की रक्षा करते हुए स्वतंत्र रूप से अपना राज-पाट चला रहे थे। महाराज बख्तावरसिंहजी के मन में बचपन से ही अंग्रेजी हुकुमत की गुलामी की जंजीरो में बंधी भारतमाता को मुक्त कराने के लिए राजपुताना रक्त हिलोरे मार रहा था। जो 1857 की क्रांति में उबल पड़ा और अपनी सेना के साथ अदम्य साहस और पराक्रम को दिखाते हुए आजादी की जंग में कुद पड़े और फिरंगीयों के छक्के छुड़ाते हुए अपने राज्य की सीमाओं से बाहर खदेड़ दिया। 3 जुलाई 1857 की रात्रि में भोपावर की छावनी पर हमला कर अंग्रेजी सेना को भगा दिया और छावनी पर पुर्ण कब्जा कर तिरंगा फहरा दिया । इसके अलावा 16 अक्टुबर 1857 को मानपुर-गुजरी ब्रिटीश सैन्य छावनी एवं 18 अक्टूबर 1857 को मण्डलेष्वर छावनी पर चौतरफा हमला कर सैकड़ो अंग्रेज सैनिको को मौत के घाट उतार कर छावनियों पर कब्जा कर लिया। इस तरह से महाराज बख्तावरसिंहजी ने 1857 की क्रांति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए अंग्रजी हुकुमत की नींव हिला कर रख दी

बलिदान दिवस पर विशेष...

थी तथा अंग्रेज अफसर उनका नाम सुनकर भी कांप जाते थे लेकिन अंग्रेजो ने अपनी सैन्य शक्ति को एकत्रित कर अमझेरा राज्य पर आक्रमण कर दिया तब राजा बख्तावरसिंह अपने अमझेरा स्थित चौमुखे किले मे बने गुप्त रास्ते से अपने परिवार और विश्वासपात्रों के साथ लालगढ़ के किले पर पहुंच गये । लालगढ़ का किला अमझेरा से करीब 10 किमी दुर जंगलो में ऊँचे और दुर्गम स्थान पर बना हुआ था जहाँ अंग्रजी सेना का पहुंचना मुश्किल था ऐसे में अंग्रेजो ने कुटनीति बनाकर उन्हे संधि करने के बहाने महू बुलाया गया जहाँ राजा को धोखे से 11 नवबंर 1857 को गिरफ्तार कर जेल में बंद कर दिया गया तथा उनके विष्वासपात्रो को भी मार दिया गया । अंग्रेजो ने राजा बख्तावरसिंह को कई प्रकार की घोर यातनाएँ दी लेकिन वे राजा को झुका नहीं सके। अंग्रेजो को राजा बख्तावरसिंह का इतना खौफ था कि उन्हौने सारे नियम,कायदो और कानुन की किताबों को ताक में रखकर 10 फरवरी 1858 को इन्दौर के एमव्हायएच चिकित्सा कंपाउंड में स्थित नीम के पेड़ पर फांसी पर चढ़ा दिया गया । 1857 की क्रांति में मालवा प्रांत से एकमात्र राजा बख्तावरसिंहजी ही थे जिन्होने अंग्रेजो से आजादी की सीधी लड़ाई लड़ी इसलिए उन्हे मालव वीर भी कहा जाता हैं। इस तरह से भारतमाता के इस वीर योद्धा ने मातृभूमि की रक्षा एवं भारत देश की आन,बान और शान के लिए भारतमाता के चरणों में अपना सब कुछ न्यौंछावर कर दिया । 10 फरवरी राजा के बलिदान दिवस पर नगरजन, क्षेत्रवासी, अधिकारी व जनप्रतिनिधिगण उन्हें श्रद्धांजलि देकर देश की आजादी के लिये दिये गए उनके योगदान को याद करते हैं।

संपादकीय

चीनी ऐपों के चक्रव्यूह पर लगा प्रतिबंध

केंद्र सरकार ने चीनी लिंक वाले सैकड़ों मोबाइल फोन ऐप पर प्रतिबंध लगाकर 'देर आए दुरस्त आए' की कहावत को चरितार्थ किया है। जो इस बात का संकेत भी है कि, हमारा निगरानी और नियामक तंत्र मजबूत हुआ है। यह कदम इस बात की आवश्यकता को दर्शाता है कि इस दिशा में आगे भी सजग रहने की जरूरत है। दरअसल 138 सट्टेबाजी को बढ़ावा देने वाले और 94 ऋण देने वाले ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इस बाबत मिली शिकायतों के बाद लिया गया। आरोप है कि, इन ऐप के उपयोगकर्ताओं से जबरन वसूली और उनके उत्पीड़न की शिकायत मिल रही थी। जहां एक ओर इन ऐपों के जरिए व्यक्तिगत डेटा में सेंधमारी की जा रही थी, वहीं ऋण वसूली के नाम पर आतंकित भी किया जाता रहा है। ये ऐप नियामक एजेंसियों की जांच के दायरे में थे। दरअसल, ऐसे ऐप्स के जरिए चीनी नागरिकों ने शातिराना अंदाज़ में अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए भारतीयों को परिचालन की जिम्मेदारी सौंप रखी थी। इनके भारतीय संचालक पैसे की जरूरत वाले लोगों को छोटे ऋण लेने को उकसाते थे और अप्रत्याशित रूप से ब्याज की ऊंची दरें वसूलते थे। इतना ही नहीं, कर्जदारों का मानसिक उत्पीड़न किया जाता था। उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के लिए ब्लैकमेल किया जाता था। इतना ही नहीं छेड़छाड़ करके बनाई गई तस्वीरों को कर्ज लेने वालों के रिश्तेदारों व परिचितों को भेजने की धमकी दी जाती थी। उन्हें भद्दे संदेश भी भेजे जा रहे थे। इन ऐप्स के संचालन से जुड़े भारतीय लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। नि:संदेह, भारत आज इंटरनेट के तमाम खिलाड़ियों और उससे जुड़ी नई तकनीक को बाजार में उतारने वाली संस्थाओं के लिए बड़ा बाजार है। वहीं देश में बढ़ता ऑनलाइन लेन-देन साइबर अपराधों और उससे जुड़े सुरक्षा जोखिमों के प्रति संवेदनशील बनाता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की सुरक्षा, गोपनीयता और डेटा से जुड़ी चिंताओं के चलते चीन के ऐप्स संदेह के घेरे में रहे हैं।

नि:संदेह, चीन की सीमा पर जारी गतिरोध के बीच भारतीय रणनीतिकारों ने भी इस दिशा में कार्रवाई की जरूरत महसूस की होगी। वर्ष 2020 में विवादित चीनी ऐप टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने के भारतीय प्रयासों को पश्चिमी देशों ने साहसिक मिसाल के तौर पर देखा है। तब भी युवाओं में बेहद लोकप्रिय चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं के फोन से जानकारी एकत्र करने की बात सामने आई थी। आशंका थी कि, चीनी अधिकारी इस संवेदनशील डेटा का उपयोग भारत के खिलाफ कर सकते हैं। देश में साइबर हमलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 में साइबर हमलों की संख्या जहां 3.94 लाख थी, वहीं वर्ष 2021 में इनकी संख्या बढ़कर 14.02 लाख हो गई है। इस दिशा में युद्ध स्तर पर उपाय करने की जरूरत महसूस की जा रही है। आम लोगों के साथ आधुनिक तकनीक के नाम पर किये जा रहे छल को गंभीरता से लेना चाहिए। आज भारत में जन सुविधाओं के लिये ऐपों के उपयोग में भारी वृद्धि हुई है। लेकिन साथ ही साइबर ठगी के मामलों में तेजी आई है। आईटी के माहिर शातिर लोग आम आदमी की जरा सी चूक पर उसका खाता खाली कर देते हैं। अकसर शक की सूई चीनी ऐप की ओर मुड़ जाती है। ऐसे में केंद्र सरकार की हालिया पहल इस तकनीकी फर्जीवाड़े पर लगाम लगाने की कोशिश के रूप में देखी जा सकती है। सरकार कई चरणों में पहले भी ऐसी कोशिश कर चुकी है। विडंबना यह है कि, सुरक्षा एजेंसियों व नियामक संस्थाओं की व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने की कोशिश में शातिर लोग ठगी के नये रास्ते तलाश लेते हैं। कई बार इन शातिर ऐप संचालकों की चपेट में आये लोग दु:खी होकर आत्महत्या करने तक को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में कई ऐपों पर प्रतिबंध लगाना सरकार द्वारा लोगों की व्यक्तिगत जानकारी व अन्य डेटा के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम कहा जा सकता है। आज आम लोगों को ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग के लिये प्रशिक्षित करने व जागरूक बनाने की पहल होनी चाहिए।

एमपी में जनता के आंगन में सरकारी विकास यात्राओं की आमद

मध्यप्रदेश में वर्ष 2023 राजनैतिक हलचल से भरपूर रहने वाला है। चुनावी साल होने से जनता को अपना भगवान बताने वाले राजनैतिक दल जिनमे सत्ताधारी भाजपा और सत्ता पाने की जुगत में लगी कांग्रेस सहित नई नवेली आमआदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी जनता के दरबार मे जाकर अपने दल को जनता का सबसे बड़ा हितैषी बताने का प्रयास करेंगे। आमजन भी यह सोच रहा है कि 4 साल अपने छोटे से काम के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने होते है। उस दौरान अफसर मिलते नही, नेता गायब रहते है। अब जबकि चुनावी साल है। सत्ताधारी ओर विपक्षी नेताओं द्वारा पूछपरख की जा रहीं है। मध्यप्रदेश की सत्ता पर भारतीय जनता पार्टी काबिज है। प्रदेश में 15 महीनों की कमलनाथ सरकार के शासनकॉल को छोड़ दें तो करीब 20 साल से एमपी में भारतीय जनता पार्टी का शासन रहा है। इन 20 सालों में अधिकांश समय प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर शिवराज सिंह चौहान काबिज रहें है। प्रदेश सरकार फरवरी की 5 तारीख से 25 तारीख तक मध्यप्रदेश के 55 जिलों, 16 नगर निगमों, 100 नगरपालिकाओं, 264 नगर पंचायतों, 313 विकासखण्डों की 23 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में विकास यात्रा निकाल रहीं है। यानी सरकार जनता के आंगन में आमद देकर यह बताने की कोशिश कर रही है कि हम आपके सबसे बड़े हितैषी है। हमारी सरकार ने आपका पूरा ध्यान रखा है। प्रदेश में चारों ओर खुशहाली का वातावरण व्याप्त है, जनता को घर बैठे सरकारी सुविधाएं मिल रही है। प्रदेश का कृषक खुशहाल है, उसे आसानी से खाद, बीज, यूरिया उपलब्ध हो रहा है। किसान को उसकी फसल का उचित दाम मिल रहा है। सरकार की नीतियों से व्यवसायी वर्ग में भी प्रसन्नता व्याप्त है। वह बड़े अच्छे माहौल में अपना व्यवसाय कर रहा है। प्रदेश के उद्योग धंधे फलफूल रहें है। सरकार की नीतियों से व्यवसायिक वर्ग भी गदगद है। प्रदेश के बेरोजगार भी प्रदेश की शिवराज सरकार से हर्षित है। युवा बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने में सरकार ने काफी प्रयास किये है। शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन, सड़क, पानी, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता से आमनागरिक के जीवन में शिवराज सिंह की वर्तमान सरकार ने बंसत बाहर ला दी है। कुल मिलाकर जनता को सरकार द्वारा प्रायोजित विकास यात्राओं के माध्यम से यह बताने की कोशिश की जाएगी कि शिवराज की सरकार ने बेहतर काम किया है। जनता को आगे भी इस सरकार को मौका देना चाहिए। सरकारी प्रयास से प्रदेश की सम्पूर्ण मशीनरी आमआदमी के दिमाग में यह बिठाने की पूरी कोशिश करेगी की एमपी की शिवराज सरकार के राज में प्रदेश तरक्की कर रहा है। जनता के आंगन में विकास का यह रथ जनता की तरक्की की असली तस्वीर है। विकास के शोर मचाते इन रथों से सरकारी भोंपू प्रदेश को खुशहाल बताने के हर सम्भव जतन करेंगे। इसके विपरीत प्रदेश के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 5 फरवरी को ग्वालियर में एक जनसभा को सम्बोधित करतें हुए भाजपा सरकार की विकास यात्रा को नौटंकी करार दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की कुछ उपलब्धि तो है, नही सिर्फ सरकार के पैसों का दुरुपयोग किया जा रहा है। विकास होता तो विकास यात्रा निकालने की आवश्यकता ही नही पड़ती। कमलनाथ अपने 15 महीने की उपलब्धियां गिनाना भी नही भूलते। दरअसल मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार की उपलब्धियों को ढाई या तीन साल की सरकार की उपलब्धि विकास या तरक्की के बजाय 20 वर्षो के विकास के रूप में देखें जाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 16 बरसो से अधिक कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहें है। इस लिहाज से सरकार और मुख्यमंत्री को पर्याप्त समय काम करने का अवसर मिला है। एक सरकार और व्यक्ति को जब इतना लंबा समय कार्य करने का अवसर मिला हो तो प्रदेश की तस्वीर बेहद उजली दिखाई देना चाहिए। इसके विपरीत जमीनी हकीकत कुछ और ही कहती है। प्रदेश में सरकारी शिक्षा और स्वास्थ की स्थिति बेहद कमजोर है। सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य का उपयोग जनता बहुत मजबूरी में ही करती है। व्यापम जैसे घोटाले मध्यप्रदेश के माथे पर दागनुमा चस्बा है। जिसमें नेताओं, अफसरों के भ्रष्ट तंत्र ने प्रदेश के शिक्षित बेरोजगारों के हक पर ढाका डालकर अयोग्य लोगो को धन की लालच में भर्ती कर लिया था। प्रदेश में शिवराज सिंह की सरकार रहतें हुए आदिवासी जिलों में भ्रष्टाचार चरम पर पहुच गया था। जिसकी बानगी आदिवासी बाहुल्य जिले बड़वानी में देखने को मिली यहां की जनपद सेंधवा ओर निवाली में हुई आर्थिक अनियमितता पर दिसम्बर 2022 में न्यायालय ने निर्णय सुनाते हुए तात्कालिन अधिकारियों, इंजीनियरों, सरपंचों, सचिवों को सजा सुनाई है। जनपद सेंधवा के वरला थाने में दर्ज एफआईआर अनुसार 23 मई 2012 को 23 ग्राम पंचायतों द्वारा फर्जी खाते खोलने जिसमे मनरेगा की 5 करोड़ 21 लाख 50 हजार रु की राशि फर्जी फर्मो के माध्यम से ट्रांसफर कर घोटाले को अंजाम दिया था। इस मामले में बड़वानी जिले के एक न्यायालय ने 23 आरोपियों को दोषी मानतें हुए 7-7 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसी जिले की निवाली जनपद में मनरेगा के 6 करोड़ रुपये के घोटाले में तीन सीईओ सहित 12 अफसरों को आर्थिक अनियमितता का दोषी मानते हुए कारावास एवं जुर्माने से दण्डित किया गया है। ऐसा नहीं है कि घोटालों के यह घटनाक्रम आदिवासी अंचल के ही हो, यह किस्से प्रदेश की राजधानी भोपाल के भी है, जहाँ गरीबो को वितरित किये जाने वाले राशन में ही घोटाले को अंजाम दे दिया गया। इस राशन घोटाले को दबाने के कारण खाद्य विभाग के 15 अफसरों को निलंबित भी किया गया है। इस मामले में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत गरीबो को दिए राशन में हेरफेर की गई थी। सरकारी राशन में भोपाल में ही नही सम्पूर्ण प्रदेश में हेरफर का सिलसिला लगातार चल रहा है। यह सफेदपोश नेताओं, भष्ट्र अफसरों ओर कालाबाजारियों की मिलीभगत का नतीजा है। यूरिया, खाद और बीज के लिए हर बार किसान परेशान होता है। खाद बीज व्यवसायी इन किसानों को निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत में बेचते है। प्रदेश की खनिज संपदा का दोहन भी लगातार जारी है। इसमे भी नेता अफसर ओर व्यापारी का गठजोड़ काम कर रहा है। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा नेता उमा भारती शराब बंदी के खिलाफ मुखर है। किंतु शहर-शहर, गांव-गांव शराब की बड़ी बड़ी दुकानें संचालित हो रही है। शराब के इन ठेकों के माध्यम से शराब की तस्करी को अंजाम दिया जा रहा है। इन्ही कारणों से प्रदेश की जनता ने वर्ष 2018 में शिवराज सरकार को नकार दिया था। किंतु राजनीति में बहुत से किरदारों की किस्मत बहुत तेज रहती है। शायद शिवराज भी किस्मत के धनी है। 15 महीने चली कांग्रेस सरकार में फूट पड़ गयी। कांग्रेस के महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया को अपनी उपेक्षा महसूस हुई वें अपने समर्थक विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए और शिवराज के वनवास को महज 15 माह में ही खत्म कर दिया। शिवराज सरकार में तो आ गए किंतु अपनी सरकार की बागडौर जनप्रतिनिधियों के स्थान पर जिले के कलेक्टरों के सुपुर्द कर दी। मध्यप्रदेश में सरकारी तंत्र कोरोनाकाल से हावी है। विधायक, मंत्री, महापौर, नपाध्यक्ष पर जिला कलेक्टर ऐसे हावी हुए की राजनीति का सारा परिदृश्य ही बदल गया। राजनीति अब कलेक्टरों के भरोसे होने लगी और सरकारी तंत्र हावी हो गया है। भाजपा संगठन के नेता, पदाधिकारी भी इस बात को सार्वजनिक रुप से स्वीकार करने लगे है। इन हालातो में एमपी की सरकार का विकास यात्राओं के माध्यम से जनता के आंगन में जाकर सरकारी उपलब्धियों का बखान कितना प्रभावी होगा। यह सब वक्त के गर्त में छुपा हैं। फिलहाल तो एमपी में जनता के आंगन में विकास यात्रा खुशनुमा एहसास करा रही है।

नरेन्द्र तिवारी

नेपाल विवाद में बेमतलब भारतीय एंट्री

नेपाल के ताज़ा राजनीतिक विवाद में प्रधानमंत्री मोदी की ज़बरदस्ती एंट्री कराई जा रही है। यह सब करने वाले कोई और नहीं, उप-प्रधानमंत्री-सह-गृहमंत्री पद से बेदखल हो चुके रवि लामिछाने हैं। लामिछाने ने कहा, 'मोदी जी, आपके नाम पर लोग यहां पर लूट मचा रहे हैं, वे भारत और नेपाल के रिश्?ते को आगे नहीं बढ़ा रहे हैं। कृपया मोदी जी आप आपके एजेंट के नाम पर जो लोग यहां काम कर रहे हैं, उनके ऊपर भरोसा करना बंद करिए। आप एक सीधी बातचीत के लिए आगे बढ़ें। कृपया उन लोगों को रोकें, जो भारतीय रुख का असली जानकार होने का दावा करते हैं। यदि आप वास्?तव में नेपाल और भारत के बीच बेहतर रिश्ते चाहते हैं, तो किसी मध्?यस्?थ, पत्रकार, एजेंट या पब्लिशर को तैनात मत करिए।'

27 जनवरी 2023 को रवि लामिछाने कोर्ट के आदेश के बाद पद से हटाये गये, या स्वयं प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल को इस्तीफा सौंप आये, इससे नई दिल्ली का कोई लेना-देना नहीं रहा है। रवि लामिछाने नेपाल के मेनस्ट्रीम मीडिया पर भड़के हुए हैं। दोहरी नागरिकता पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च अदालत ने फैसला दिया कि वो न तो सरकार में मंत्री के क़ाबिल हैं, न ही पार्टी में कोई पद उन्हें मिलना चाहिए। वो पहले नेपाली नागरिकता लें, फ़िर राजनीतिक पदों को हासिल करें।

पद त्याग देने की घटना के दो दिन बाद, रवि लामिछाने काठमांडो स्थित ज़िला प्रशासन कार्यालय गये, वहां से नागरिकता प्रमाण पत्र हासिल किया, उसके प्रकारांतर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के दोबारा से अध्यक्ष बन गये। तब से लगातार कोशिश होती रही कि प्रचंड उन्हें उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री की कुर्सी दोबारा से दे दें। जब इसकी सूरत नज़र नहीं आ रही थी, तो रास्वपा के तीन मंत्रियों ने पद से इस्तीफा दे दिया। इनमें शिशिर खनाल शिक्षा-विज्ञान और प्रौद्योगिकी महकमें से, डोल प्रसाद आर्याल श्रम, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा मंत्री पद से, स्वास्थ्य और जनसंख्या राज्यमंत्री पद से डॉ. तोशिमा कार्की ने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल को सौंप दिया। सरकार को समर्थन देंगे, लेकिन मंत्री पद लामिछाने की वापसी के बिना नहीं।

लामिछाने ने फरवरी 1994 में जिला प्रशासन कार्यालय, काठमांडो से वंशागत नागरिकता प्राप्त की थी। 2007 से 2017 तक अमेरिकी नागरिक होने का लाभ उठाया। मगर, नागरिकता अधिनियम की धारा 10 कहती है कि कोई भी नेपाली नागरिक जो स्वेच्छा से किसी विदेशी देश की नागरिकता प्राप्त करता है, वह स्वतः ही नेपाल की नागरिकता खो देगा। यदि कोई अपनी विदेशी नागरिकता का त्याग करता है तो नेपाली नागरिकता पुनः प्राप्त करने के लिए उसे आवेदन करना होगा। रवि लामिछाने नेपाल में राजा समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के महासचिव रह चुके उद्धव पौडेल के दामाद भी हैं। नेपाल फ़िल्म डेवलपमेंट बोर्ड का चेयरपर्सन रह चुकीं निकिता पौडेल से रवि लामिछाने ने 17 मई, 2019 को प्रेम विवाह किया था। शादी के समय अदालत में जो नागरिकता पत्र प्रस्तुत हुआ, वो भी जांच का विषय है।

5 फरवरी 2023 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रवि लामिछाने ने बयान दिया कि नेपाल का मीडिया गैर ज़िम्मेदार है, कुछ मीडिया हाउस और संपादकों के निशाने पर मैं था, इसलिए यह सब हुआ है। रवि लामिछाने का यह बयान तूल पकड़ चुका है। फेडरेशन ऑफ नेपाल जर्नलिस्ट (एफएनजे) और नेपाल प्रेस यूनियन ने रवि लामिछाने के बड़बोलेपन को मुद्दा बना लिया है। इन संगठनों ने कहा कि यह पत्रकार बिरादरी पर हमला है, नेपाली मीडिया निष्पक्षता के मामले में पूरे दक्षिण एशिया में दूसरे स्थान पर है, ऐसा रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर भी मानता है।

14 सितंबर 1974 को भक्तपुर में जन्मे रवि लामिछाने ने रत्न राज कैंपस से हाईस्कूल तक पढ़ाई की, फिर अमेरिका के बाल्टीमोर से मास कॉम की पढ़ाई की। वहां सब-वे में नौकरी भी की। एक अमेरिकी नागरिक ईशा से विवाह किया। बताते हैं कि दोनों से एक बेटी भी हुई थी। ईशा से तलाक लेकर 2014 में रवि लामिछाने अमेरिका से काठमांडो आ गये, और टीवी जर्नलिस्ट बन गये। पत्रकार रवि लामिछाने का टीवी शो, सीधा कुरा (सीधी बातचीत) नेपाल में हिट था। उससे पहले एक और टीवी शो होस्ट करते थे, 'बुद्धा वाज़ बॉर्न इन नेपाल।' रवि लामिछाने ने कुछ स्टिंग आपरेशन भी किये थे।

टीवी टॉक शो में रवि लामिछाने की मसीहाई छवि ऐसी बनी कि नेपाल के आम आदमी को लगा कि यह बाक़ी शख्सियतों से अलग हैं, देश और समाज को बदल देगा। लामिछाने ने 16 जून, 2022 को 'ग्लैक्सी-4के टीवी' को अलविदा कहा, और 21 जून को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) बनाने की घोषणा कर दी। तब विश्लेषकों का आकलन था कि रवि लामिछाने की टीम, नेपाल में सबका सूपड़ा साफ कर देगी। मगर, 20 नवंबर, 2022 के आम चुनाव में 'रास्वपा' के कुल 20 नेता सफल हो पाये। जिनमें सात निर्वाचित और 13 समानुपातिक प्रतिनिधित्व के ज़रिये सांसद बने।

पुष्परंजन

निर्वाचितों में चितवन-2 से जीत हासिल कर चुके रवि लामिछाने भी थे। रवि लामिछाने की ज़िद थी, गठबंधन की सरकार में तभी आयेंगे, जब गृहमंत्री-सह-उपप्रधानमंत्री का पद मिलेगा। सौदेबाज़ी में उनकी शर्तें मान ली गईं। 11 जनवरी, 2023 को लामिछाने को उपप्रधानमंत्री का पद, और मनचाहा मंत्रालय मिला। इस अति महत्वाकांक्षा की वजह से लामिछाने आलोचना के केंद्र में आ गये। जो लोग रवि लामिछाने में क्रांतिकारी बदलाव वाले नेता का अक्स देखते थे, उनका मोहभंग भी जल्द हो गया।

पत्रकार अपनी प्रसिद्धि के साथ दुश्मन भी पैदा करता है। रवि लामिछाने का नागरिकता वाला विवाद नया नहीं है। 2018 में सबसे पहले प्रेस कौंसिल में शिकायत गई कि लामिछाने बिना वर्क परमिट के नेपाल में कार्यरत है, क्योंकि वह अब भी अमेरिकी नागरिक है। अंततः रवि लामिछाने ने 2018 में अमेरिकी नागरिकता का परित्याग कर दिया। लामिछाने ने नवंबर, 2022 के आम चुनाव के समय 1994 में प्राप्त नेपाली नागरिकता के जो कागजात निर्वाचन आयोग को दिये थे, वो क़ानूनी रूप से अवैध ही थे। यानी, फ्रॉड किया था। सही से छानबीन हो, तो इस मामले में नेपाल निर्वाचन आयोग भी फंसेगा।

एक सच यह भी है कि रवि लामिछाने को गृह मंत्रालय देकर प्रचंड सहज नहीं थे। वित्त मंत्रालय एमाले के हिस्से, कोई दमदार मंत्रालय नहीं प्रचंड की पार्टी के पास। प्रचंड दोबारा से गृहमंत्रालय 19 सांसदों वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता को क्यों दें भला? 10 जनवरी, 2023 को 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में जो विश्वासमत हुआ था, उसमें प्रचंड को 268 वोट मिले थे। विश्वासमत जीतने के वास्ते ज़रूरत थी 138 मतों की। 268 में 19 कम हो भी जाते हैं, तो क्या फ़र्क़ पड़ता है?

भाजपा को भारी पड़ेगी महिला नेताओं की नाराजगी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को अगले लोकसभा चुनाव तक अध्यक्ष पद का कार्य विस्तार मिल चुका है। अगले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए नड्डा ने अपने संगठन को पुनर्गठित और चुस्त-दुरुस्त करना शुरू कर दिया है। लोकसभा चुनाव से पूर्व जम्मू कश्मीर सहित दस प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव होने हैं। जिनके नतीजों से पता चल जाएगा कि अगले लोकसभा चुनाव में कौन सी पार्टी केंद्र में सरकार बना सकेगी।

चुनावों वाले दस राज्यों से लोकसभा की कुल 121 सीट आती है। ऐसे में ऐसे में जिस पार्टी की भी सरकार इन प्रदेशों में बनेगी स्वाभाविक ही है कि लोकसभा चुनाव में भी उसी पार्टी का अधिक प्रभाव दिखेगा। हालांकि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद अपने गृह प्रदेश हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार को नहीं बचा सके और वहां पर कांग्रेस भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने में कामयाब हो गई। इससे लगता है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नड्डा शायद ही कुछ करिश्मा दिखा पाए। पूरा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इर्द-गिर्द ही रहता लग रहा है। भारतीय जनता पार्टी के नेता अभी से अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट चुके हैं। अगले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भी ही पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर किसी नए नेता को लाने की बजाय जेपी नड्डा को ही रखने का फैसला किया है। भाजपा का मानना है कि नड्डा की पूरी टीम का सेटअप बना हुआ है। ऐसे में नए सिरे से संगठन बनाने में काफी समय निकल जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशभर में अपने दौरे करने शुरू कर दिए हैं। भाजपा के नेता पूरी तरह चुनावी मूड में नजर आने लगे हैं। पार्टी तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने का सपना देख रही है। ऐसे में भाजपा की ही कुछ बड़ी महिला नेताओं की नाराजगी आने वाले चुनाव में भाजपा को भारी पड़ सकती है।

राजस्थान की दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी वसुंधरा राजे सिंधिया पिछले लंबे समय से राजस्थान में खुद को नेता घोषित करने की मांग करती आ रही है। वसुंधरा राजे चाहती है कि दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी उन्हें नेता प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़े। मगर भाजपा आलाकमान ऐसा करने के मूड में नहीं लगता है। वर्तमान में वसुंधरा राजे भाजपा की राजनीति में हाशिए पर है। कहने को तो उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। मगर सक्रिय राजनीति में उनकी कोई भूमिका नजर नहीं आ रही है।

राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का कद बहुत बड़ा माना जाता है। विशेषकर भाजपा में तो वसुंधरा राजे के कद का कोई दूसरा नेता नहीं है। वही राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश में लगातार दूसरी बार कांग्रेस की सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। राज्य कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू करने के आदेश देकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कर्मचारी वर्ग में खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। माना जा रहा है कि गहलोत द्वारा पेश किए जाने वाला राजस्थान का अगला बजट भी काफी लोक लुभावना होगा। ऐसे में गहलोत का मुकाबला करने में वसुंधरा राजे ही सबसे उपयुक्त नेता है।

राजस्थान भाजपा का संगठन पूरी तरह वसुंधरा विरोधी नेताओं से भरा पड़ा है। वर्तमान परिस्थितियों में तो वसुंधरा समर्थक

कई मौजूदा विधायकों को भी टिकट मिलना संदिग्ध नजर आ रहा है। अंदर खाने चर्चा है कि वसुंधरा समर्थक अपने नेता पर अलग दल बनाकर चुनाव में उतरने का दबाव डाल रहे हैं। हालांकि वसुंधरा राजे देखो और इंतजार करो की नीति पर चल कर आलाकमान का मूड भांपने का प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती शिवराज सिंह चौहान सरकार पर लगातार हमलावर हो रही है। शराबबंदी के बहाने उमा भारती लगातार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को घेर रही है। राजनीति में खुद को हाशिए पर डाले जाने से नाराज उमा भारती भाजपा आलाकमान से बहुत नाराज है। उमा भारती का मानना है कि उन्होंने ही मेहनत कर दस साल से मध्यप्रदेश में शासन कर रही कांग्रेस की दिग्विजय सिंह सरकार को उखाड़ फेंका था। जिसके बाद उनको मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री तो बनाया गया था। मगर एक अदालती फैसले के कारण उनको पद छोड़ना पड़ा था। बाद में उन्हें मुख्यमंत्री बनने का फिर से मौका नहीं दिया गया। शिवराज सिंह चौहान एक बार मुख्य बनने मंत्री बनने के बाद कुर्सी से ऐसे चिपके कि लगातार चौथा कार्यकाल में भी वही मुख्यमंत्री के रूप में काम कर रहे हैं।

मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में उमा भारती को केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। मगर 2019 के लोकसभा चुनाव में उनका टिकट काट दिया गया। उसके बाद से वह लगातार अपने राजनीतिक पुनर्वास का प्रयास कर रही है। मगर उन्हें राजनीति में कहीं भी एडजेस्ट नहीं किया गया। इससे उमा भारती बहुत नाराज नजर आ रही है और अपनी नाराजगी का खुलकर इजहार भी कर रही है। उमा भारती शराबबंदी के लिए आंदोलन करने का एलान करने के साथ ही शराब दुकान पर पत्थर तक फेंक चुकी हैं। गत दिनो उन्होंने लोधी समाज के कार्यक्रम में कहा था कि वह समाज के लोगों से बीजेपी को वोट देने के लिए नहीं कहेंगी। उन्होंने कहा कि समाज वोट देते वक्त अपने हितों का ख्याल जरूर रखें।

आठवीं बार की सांसद मेनका गांधी भी भाजपा आलाकमान से बहुत खफा नजर आ रही है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में मेनका गांधी व उनके सांसद पुत्र वरूण गांधी में से किसी को भी मंत्री नहीं बनाया गया। इतना ही नहीं उन्हें भाजपा की राष्ट्रीय परिषद से भी हटा दिया गया। मेनका गांधी के पुत्र वरुण गांधी तो लगातार केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ खुलकर बयान बाजी कर रहे हैं। 2017 में मेनका गांधी के पुत्र वरुण गांधी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनना चाहते थे। मगर योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बना दिया गया था। उसके बाद से ही वरुण गांधी पार्टी लाइन से दूर होते जा रहे हैं। सबसे वरिष्ठ सांसद होने के बाद भी मेनका गांधी को इस बार मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिलने से वह खुद को पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रही है। पिछले कुछ समय से मीडिया में लगातार इस बात की चर्चा हो रही है कि वरुण गांधी ने अपने चचेरे भाई राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से भी कांग्रेस में शामिल होने पर चर्चा की है। हालांकि राहुल गांधी ने कह दिया है कि वरुण गांधी की विचारधारा हमारे से अलग है और वह जहां है वहीं रहकर राजनीति करें। भाजपा की कद्दावर नेता वसुंधरा राजे सिंधिया, उमा भारती, मेनका गांधी की नाराजगी का असर अगले चुनावों में देखने को मिल सकता है। भाजपा आलाकमान को समय रहते उनके गिले-शिकवे पर चर्चा कर उनका समाधान करना चाहिए। तीनों ही महिला नेता अपने-अपने प्रदेशों की राजनीति में प्रभावशाली तो है ही इनके साथ बड़ा समर्थक वर्ग भी जुड़ा हुआ है। इनकी नाराजगी से भाजपा द्वारा केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का सपना कहीं सपना ही बनकर नहीं रह जाये। इस बात का भाजपा आलाकमान को अहसास होना चाहिये।

रमेश सर्राफ

तलेन नगर परिषद की बहनों की आवाज क्या पहुंचेगी मुख्यमंत्री तक?

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

बीते दिनों अखबारों की सुर्खियों में रहे नगर परिषद वर्तमान सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा जो नगर परिषद तलेन में विवाह सहायता राशि, कर्मकार मंडल, आवास योजना जैसे अन्य जन कल्याण योजना में भ्रष्टाचार कर निलंबित हुए थे। परंतु कोर्ट से स्टे आर्डर मिलने पर अकोदिया नगर परिषद में शरणार्थी रहे। अब अकोदिया नगर परिषद से फरवरी माह में जल्दी स-सम्मान विदाई लेकर अपने घर प्रस्थान करेंगे। परंतु सोचने वाली बात यह है कि, जब भोपाल संचनालय नगरी प्रशासन विभाग द्वारा बोड़ा नगर परिषद सीएमओ को कार्रवाई हेतु पत्र प्रेषित किया गया, तो सीएमओ द्वारा आज दिनांक तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। सीएमओ साहब से कई बार नगर परिषद बोड़ा जाकर मिलने का प्रयास किया, परंतु सीएमओ साहब बहाना बनाकर निकल जाते हैं। समाचार लिखे जाने से पूर्व भी सीएमओ साहब से फोन पर पत्र के संबंध में कार्रवाई हेतु विस्तृत जानकारी के लिए फोन लगाया गया, परंतु फोन नहीं उठाया गया। पूर्व में भी इस विषय में चर्चा की गई थी जिसमें कहा कि, मैंने अभी चार्ज या अभी पदभार लिया है इसलिए अभी मैं जानकारी नहीं दे सकता। इससे यह स्पष्ट है कि, बोडा सीएमओ सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा को बचाने का पूर्ण प्रयास किया जा रहा है। सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा फरवरी माह में रिटायर हो रहे एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री खुले मंच से ऐसे भ्रष्टाचारियों को निलंबित करते हैं। परंतु बोड़ा सीएमओ विभाग से पत्र आने के बाद भी कार्रवाई नहीं कर रहे। इसका मतलब सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा के भ्रष्टाचार के तार ऊपर तक जुड़े हुए हैं। सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा ने अकोदिया में भी अपने भ्रष्टाचार का इतिहास रचा दिखाया है जो आए दिन अकोदिया की सुर्खियों में रहते हैं। सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा ने अपने पुत्र को बोड़ा नगर परिषद में एवं अपनी पुत्री को अकोदिया नगर परिषद में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर विराजमान किया है। जिससे उनके रिटायर होने से पहले उनका यह सपना भी पूरा हुआ। अब रही बात तलेन की हमारी प्यारी बहनों की विवाह सहायता राशि घोटालेबाज पर कार्रवाई के लिए तो यह बोडा सीएमओ साहब अपनी फाइलों में पत्र को दबाए बैठे हैं। उनका रिटायरमेंट सकुशल कराने के लिए पूर्ण प्रयासरत है। क्या मुख्यमंत्री उक्त मामले को संज्ञान में लेकर कोई कार्रवाई करेंगे...? क्या सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा के रिटायरमेंट से पहले तलेन की प्यारी बहनों को न्याय मिलेगा...?

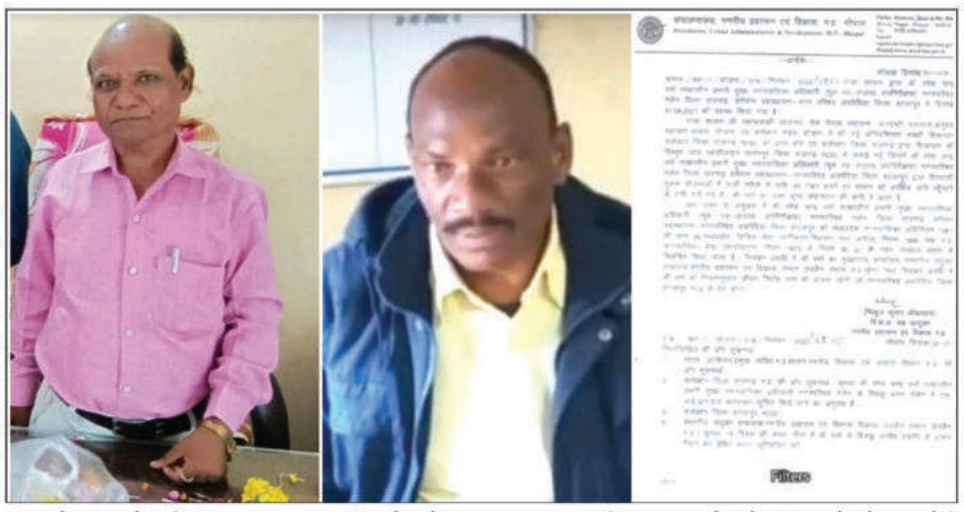

आपसी विवाद में हुई चाकूबाजी में एक युवक की मौत

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के शिवगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवगढ़ में दो पक्षों में आपसी विवाद के चलते एक युवक की जान चली गई। आपसी विवाद का कारण इंस्टाग्राम पर की गई पोस्ट पर बहस बाजी तथा व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा सामने आ रहा है। मंगलवार रात शिवगढ़ में हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड में युवाओं के दो समूह आपस में भिड़ गए इस दौरान चाकूबाजी की घटना में एक युवक की मौत हो गई जबकि 5 अन्य घायल हो गए। इसमें शिवगढ़ निवासी कपड़ा व्यवसाई अभिषेक पाटनी की मृत्यु हो गई। विवाद उस समय शुरू हुआ, जब दोनों पक्ष इंस्टाग्राम पर की गई पोस्ट को लेकर आपस में बहस बाजी करने लगे देखते ही देखते मामले ने तूल पकड़ लिया और दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे और चाकू चले जिसके पश्चात अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया तथा उसकी मृत्यु हो गई। अभिषेक की तरफ से गौरव सोनी एवं ऋषभ को चोट आई है, जबकि दूसरे पक्ष में महेश हाड़ा एवं मुकेश नामक युवक को चोटे आई है। बताया जाता है कि, दोनों पक्षों में व्यवसाई प्रतिद्वंदिता भी है जिसके चलते विवाद और बढ़ गया और संघर्ष के रूप में परिवर्तित हो गया पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लाड़ली बालिकाओं को छात्रवृत्ति की वितरित

माही की गूंज, शाजापुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आथित्य में कुशाभाऊ ठाकरे मिन्टो हॉल भोपाल में लाड़ली लक्ष्मी योजना अन्तर्गत कक्षा 6वी, 9 वी, 11 वी एवं 12वी में अध्ययनरत लाड़ली बालिकाओं को छात्रवृत्ति वितरण का राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका सीधा प्रसारण समस्त जिला मुख्यालय, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत, आंगनवाडी केन्द्र स्तर पर किया गया। शाजापुर जिले के कलेक्टर परिसर के एनआईसी कक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिले की वेबलिंक के माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण लाड़ली बालिकाओं एवं उनके अभिभावकों को दिखाया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती सुषमा भदौरिया द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित कक्षा 6टी, 9वी, 11वी एवं 12वी में अध्ययनरत लाड़ली बालिकाओं को क्रमशः 2 हजार, 4 हजार एवं 6 हजार रूपए के आश्वासन प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस दौरान सहायक संचालक सुश्री नीलम चौहान, परियोजना शाजापुर की समस्त पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, कार्यालयीन अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बहुचर्चित खाद लूट कांड के मुख्य फरियादी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कांग्रेसी विधायक मनोज चावला एवं उनके सहयोगी एडवोकेट योगेंद्र जादौन फिलहाल है जेल में

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के बहुचर्चित आलोट के खाद लूट कांड में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, इस लूट कांड के मुख्य फरियादी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच है। बता दे कि, 10 अक्टूबर 2022 को खाद एवं विपणन संघ खाद एवं उर्वरक गोदाम के भगत राम येदु की सूचना एव रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने विधायक मनोज चावला योगेंद्र यादव सहित अन्य लोगों पर धारा520/22 एवं 353, 332 तथा 392 में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। इसी प्रकरण के चलते कांग्रेसी विधायक मनोज चावला एवं कांग्रेसी नेता एवं एडवोकेट योगेंद्र यादव फिलहाल इंदौर जेल में है।

सामान खरीदने आए युवक ने महिला के गले से चेन छीनी

माही की गूंज, रतलाम।

नगर के लक्ष्मीनगर की एक किराना दुकान पर गुटखा-पाउच खरीदने के बहाने महिला के गले से सोने की चैन छीनने की वारदात सामने आई है। किराना दुकान पर आए एक बदमाश ने दो-तीन कंपनियों के पाउच खरीदे और राशि देने की बात आई तो उसने अपने साथी को इशारा करके बुलाया और महिला दुकानदार के गले से सोने की चेन खींचकर दोनों बाइक से भाग निकले। महिला ने बदमाश को पकड़ भी लिया था लेकिन वह खुद को छुटाकर भाग निकला। अचानक हुए इस घटनाक्रम से लक्ष्मीनगर में हडकंप मच गया। मंगलवार रात 7:50 बजे की घटना है जब लक्ष्मीनगर निवासी 48 वर्ष की अनिता पति निर्मल खाबिया घर पर ही किराना दुकान चलाती है। वे ही दुकान संभालती है जबकि उनकी दो बेटियां इसमें सहयोग करती है। रात करीब 7:50 बजे उनकी दुकान के सामने से एक बाइक गुजरी जिस पर एक युवक ने मुंह पर कपड़ा बांधे था और दूसरे ने सिर में कुछ पहना हुआ था जो बाइक चला रहा था। मुंह पर कपड़ा बांधे युवक उतरा और अनिता की दुकान पर आकर गुटखा पाउच खरीदने के लिए बोला। महिला ने उसे गुटका-पाउच दिए तो उसने कुछ और कंपनियों के गुटखे मांगे। महिला ने वे भी निकालकर दे दिए। इस दौरान बाइक सवार युवक दूसरी तरफ जाकर तैयार खड़ा हो गया। दुकान पर आए युवक ने सामान खरीदने के बाद राशि देने की बात आई तो उसने बाइक सवार साथी को इशारा किया। बाइक सवार आया, बाइक खड़ी की। इसी समय दुकान पर खड़े युवक ने महिला के गले से सोने की चेन झपटी और बाइक सवार के साथ भाग निकला। महिला भी उसके पीछे दौड़ी और पकड़ा लेकिन युवक तेजी से छुड़ाकर भाग निकला।

स्कूल बस ने पांच वर्ष की मासूम को रौंदा, अस्पताल में हुई मौत

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के सागोद रोड रेलवे ब्रिज के पास मंगलवार की शाम को स्कूल बस ने स्कूटी से अपनी मां के साथ घर जा रही पांच वर्ष की मासूम को चपेट में लेकर रौंद दिया। गंभीर घायल मासूम को पास के ही निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में मासूम की मां को भी चोंटे आई है। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

डीडीनगर थाना प्रभारी दीपक कुमार मंडलोई ने बताया, हादसा मंगलवार शाम करीब साढ़े चार बजे का है। धीरजशाहनगर निवासी 32 वर्षीय प्रिया पति विजयसिंह पवार अपनी बेटी पांच साल की मासूम दृष्टि के साथ इलेक्ट्रीक स्कूटर से सागोद की तरफ से बाजना बस स्टैंड आ रही थी। ब्रिज पार करते ही सामने बाजना बस स्टैंड की तरफ से जैन पब्लिक स्कूल की बस के चालक ने दोनों को स्कूटी सहित चपेट में ले लिया। बेटी को बस ने कूचल दिया जबकि मां प्रिया साइड में गिरकर घायल हो गई।

राहगीरों ने की मद्दत, हादसे के बाद लगा जाम

हादसे की सूचना मिलने के बाद पास में ही डीडीनगर पुलिस थाने से जवान दौडक़र मौके पर पहुंचे। आसपास से गुजर रहे लोगों ने भी मदद की और दोनों को थाने से कुछ ही दूरी पर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल मासूम को डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद सागोद रोड रेलवे पुलिया के पास जाम लग गया। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। पुलिस ने मौके से ही बस के चालक को हिरासत में ले लिया और बस को बरामद कर लिया। बस को पुलिस थाना परिसर में खड़ा किया गया है जबकि चालक को लॉकअप में बंद कर दिया।

अपने स्कूल से लौट रही थी मां-बेटी

प्रिया पवार अपने पति विजयसिंह के साथ नामली के बड़ौदा में अपना स्कूल चलाती है। वह रोज बेटी को लेकर स्कूल जाती और बेटी अपने ही स्कूल में पहली की छात्रा थी। दोनों मां-बेटी स्कूटी से नामली से बंजली बाइपास होते हुए राम मंदिर और डोंगरेनगर होकर घर लौट रही थी कि यह हादसा हो गया। डॉक्टर द्वारा मृत घोषित करने के बाद मासूम के शव को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। बुधवार की सुबह उसका पोस्टमार्टम किया गया। घायल मां को चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर हादसे से चोंटे आई है।

किंग क्रिकेट क्लब टूर्नामेंट रहा केलाशपुर टीम के नाम

माही की गूंज, भानपुरा। गरोठ-भानपुरा विधानसभा क्षेत्र के बाबुल्दा में श्री किंग क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में फाइनल मुकाबला केलाशपुर और सानडा के बीच खेला गया। जिसमें केलाशपुर टीम विजेता रही। दोनो टीमों को दुर्गेश पटेल ने बधाई दी एवं पूरी कमेटी व मार्गदर्शक मंडल का धन्यवाद आभार माना जिहोने इस टूर्नामेंट को सफल बनाया। आयोजन में मुख्य अतिथि गरोठ जनपद उपाध्यक्ष तूफान सिंह, जिला पंचायत सदस्य रामेश्वर रावत, सुवासरा विधानसभा से कांग्रेस नेता बालूसिंह, जनपद सदस्य मुरली, जनपद सदस्य पवन बलेचा, मुकेश चौहान, बालचंद्र शर्मा, अकील कुरेशी, सत्यनारायण पाटीदार, रामसिंह मीणा, ईश्वर बजरिया, गोबिंद मीणा एवं अन्य सम्मानित नागरिक गण उपस्थित रहे।

उक्त प्रतियोगिता में गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र की 80 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के आयोजन कर्ता प्रदेश युवक कांग्रेस सचिव व गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ युवा नेता दुर्गेशसिहं पटेल थे। उन्होंने सभी टीमों को बधाई दी और उज्जवल भविष्य कि कामना करते हुए सभी का आभार माना व विजेता टीम को शील्ड व ईनाम राशि प्रदान की।

राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री के लिए जिले से 4 खिलाड़ी चयनित

माही की गूंज, शामगढ़।

अखिल भारतीय विश्व विद्यालयीन (राष्ट्रीय) क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता 12 फरवरी से बेंगलुरु (कर्नाटक) में आयोजित होगी, जिसके लिए मन्दसौर से 4 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। उपरोक्त विषय में जानकारी देते हुए पीजी कॉलेज के क्रीड़ाधिकारी राजू कुमार ने बताया, विगत दिनों उज्जैन में अंतर महाविद्यालयीन क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था। जिसमें मन्दसौर के पीजी और गर्ल्स कॉलेज के खिलाड़ियों ने एनआईएस जिला एथलेटिक्स कोच शमुकेश भटेवरा के मार्गदर्शन में भाग लेकर श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पुरूष वर्ग में नैन सिंह और महिला वर्ग में गरिष्मा यादव, निकिता धनोरा राजीव गांधी पीजी कॉलेज और मनीषा बामनिया गर्ल्स कॉलेज का चयन अखिल भारतीय विश्वविद्यालयीन क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह सभी चयनित खिलाड़ियों ने बुधवार को विक्रम विश्वविद्यालय के 6-6 सदस्यी पुरुष-महिला वर्ग की टीम के साथ बेंगलुरु के लिए प्रस्थान किया।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एलएन शर्मा, गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पीएल पाटीदार क्रीड़ाधिकारी राजू कुमार पीजी कॉलेज, मनीष पांचाल गर्ल्स कॉलेज क्रीड़ाधिकारी, मुकेश भटेवरा, जिला एथलेटिक्स कोच, मन्दसौर और समस्त महाविद्यालय स्टॉफ ने बधाई और शुभकामनाएं दी है।

विकास यात्रा लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का अभियान - राज्यमंत्री परमार

माही की गूंज शाजापुर।

विकास यात्रा के तीसरे दिन राज्यमंत्री श्री परमार ने ग्राम चापड़िया से विकास यात्रा का शुभारंभ किया। विकास यात्रा लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का अभियान है। यह बात प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार ने विकास यात्रा के तीसरे दिन ग्राम चापड़िया में शुभारंभ समारोह में कही। विकास यात्रा का शुभारंभ ग्राम चापड़िया में राज्यमंत्री परमार ने तिरंगा ध्वज फहराकर किया। विकास यात्रा ग्राम कोहलिया, अमलावती से होती हुई मितेरा पहुंची। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया, विजय सिंह बैस, नरेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यमंत्री श्री परमार ने कहा कि, प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर ग्रामीण जनता को विकास कार्यों की जानकारी देने के लिए तथा ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में विकास यात्राएं निकाली जा रही है। इन विकास यात्रा का उद्देश्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है। इस मौके पर उन्होंने ग्राम चापड़िया में विगत 4 वर्षों में किए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि, यहां 12.85 लाख रूपए लागत से ग्राम पंचायत भवन का निर्माण हुआ है। इसी तरह 9.77 लाख रूपए लागत से सामुदायिक टीन शेड, 4.30 लाख रूपए लागत से पुलिया निर्माण, 1.95 लाख रूपए लागत से अनिल के मकान से गोपाल के मकान तक, 1.45 लाख रूपए लागत से मेन रोड से पंचायत भवन तक, 4 लाख रूपए लागत से रवि के मकान से गोहा तक सीसी रोड का निर्माण किया गया है। 4.70 लाख रूपए से ज्ञानसिंह के मकान तक सीसी नाली निर्माण, 1.85 लाख रूपए लागत से पुलिया विस्तारीकरण का काम किया गया है एवं 65 हजार रूपए लागत से रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाएं गए हैं, इस प्रकार चापड़िया में कुल 41.52 लाख रूपए के विकास कार्य कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में विकास के कार्य तेज गति से संचालित हो रहे है। शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र में अब कोई भी पुराना तालाब मरम्मत के लिए नहीं बचा है, क्षेत्र के सभी नदियों एवं नालों पर स्टॉप डेम एवं तालाब स्वीकृत किये गये है। मध्यप्रदेश विकास के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर है। क्षेत्र में निर्माण एवं विकास कार्यों के कारण बदलाव आया है। प्रदेश के अन्न दाताओ ने देश में उत्पादन से दशा बदल दी है, मध्यप्रदेश में गेहूं उत्पादन में पंजाब को पीछे छोड़ा है। राज्यमंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रदेश में सर्वसुविधायुक्त सीएम राईज विद्यालयों का निर्माण हो रहा है, शाजापुर जिले में भी 6 सीएम राईज विद्यालय स्वीकृत किये गये है। सीएम राईज विद्यालयों में अब गरीब का बेटा भी अच्छी शिक्षा पा सकेगा।

ग्राम चापड़िया में विकास यात्रा के शुभारंभ पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सिसोदिया एवं श्री विजय सिंह बैस ने भी संबोधित किया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ कन्याओं के पूजन के साथ हुआ।

मितेरा में उपस्वास्थ्य केन्द्र का भूमि पूजन

राज्यमंत्री श्री परमार ने विकास यात्रा के दौरान ग्राम मितेरा में 49.14 लाख रूपए लागत से निर्मित होने वाले उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन का भूमि पूजन किया। इसके पूर्व ग्राम चापड़िया में नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन का भी राज्यमंत्री श्री परमार ने लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला का अवलोकन कर गौ-पूजा भी की। ग्राम पंचायत चापड़िया में नवनिर्मित पंचायत भवन के गुणवत्तापूर्ण निर्माण नहीं होने पर राज्यमंत्री श्री परमार ने कलेक्टर दिनेश जैन को जाँच करने के निर्देश दिए।

बहुचर्चित बंटी उर्फ विकास आंजना हत्याकांड के मामले में पुलिस को मिली सफलता

माही की गूंज, मंदसौर।

निंबाहेड़ा कस्बे के बहुचर्चित बंटी उर्फ विकास आंजना हत्याकांड के मामले में चित्तौड़गढ़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने हत्यारों की पहचान कर ली है। वहीं, उनकी गिरफ्तारी के लिए पांच-पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। जबकि मददगार के रूप में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हत्या का मोटिव मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही साफ होने की संभावना है।

जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि, 2 फरवरी को केसुंदा छेटी सादड़ी निवासी 25 वर्षीय विकास उर्फ बंटी आंजना की हत्या के बाद से ही पुलिस की अलग-अलग टीमें मामले के इन्वेस्टिगेशन के साथ आरोपियों की तलाश में जुटी है। अनुसंधान के दौरान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चार आरोपियों को नामजद किया गया।

मंदसौर जिले के अजय पाल, सुरेश जाट और कृष्ण पाल उर्फ कान्हा सिसोदिया के साथ चौथे आरोपी के रूप में निंबाहेड़ा निवासी कान्हा भील को चिन्हित किया गया है। इनकी तलाश में मंदसौर सहित उनके संदिग्ध ठिकानों पर पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है और मंदसौर पुलिस की मदद ली गई है, जिनका हमें पूरा सपोर्ट मिल रहा है। उन्होंने बताया कि, चारों आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर जिला पुलिस ने 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। उनके बारे में कोई भी व्यक्ति सूचना दे सकता है, उसका नाम गुप्त रखा जाएगा।

मामले की पड़ताल के बारे में जानकारी देते हुए जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि, आरोपियों को कुछ स्थानीय लोगों ने मदद की थी। इनमें निंबाहेड़ा निवासी कमल सिंह ने आरोपियों को दो बाइक उपलब्ध कराई थी। वहीं, मंदसौर निवासी राहुल सूर्यवंशी ने घटना के बाद आरोपियों को एक होटल में पनाह देने में शामिल था, जबकि प्रभु लाल जाट विकास के संबंध में आरोपियों तक सूचनाएं पहुंचाने के साथ इस पूरी वारदात में शामिल था। तीनों को षड्यंत्र में शामिल मानते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या के मोटिव से संबंधित एक सवाल के जवाब में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि फिलहाल इन लोगों से पूछताछ में पुरानी रंजिश की बात सामने आ रही है, लेकिन असली कारण मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही सामने आ पाएगा। फिलहाल, मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष दल का भी गठन किया गया है जो कि लगातार उनके संबंध में सूचनाओं को संकलित कर रहा है।

बता दें कि, विकास की दिनदहाड़े जेल के पास अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक के पिता ने सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना और उनके भांजे छोटी सादड़ी पंचायत समिति के उपप्रधान विक्रम आंजना के खिलाफ परिवाद पेश किया था। हालांकि, परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर सहकारिता मंत्री और उनके भांजे के खिलाफ मामला दर्ज कर किया गया। वहीं, भाजपा आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मैदान में डटी हुई हैं।

भगवान महेश के अधुरे मंदिर को पुर्ण करने का बीड़ा उठाया पटेल ने

माही की गूंज, बरझर।

गत 26 जनवरी से प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे हाथ से हाथ जोडो अभियान के तहत जोबट विधानसभा के भाभरा ब्लॉक स्थित बरझर के तंबोली फलिए में महेश पटेल एक सभा मे पहुचे थे। यहां क्षेत्र की मंदिर समिती द्वारा महेश पटेल को अवगत करवाया कि, लगभग 15 से 20 वर्ष पहले शिवगंगा द्वारा शिवलिंग प्रदान किया था जो तब से लेकर आज तक खुली अवस्था में रोड के समीप स्थापीत है। मंदिर समिती द्वारा शिवलिंग के समीप एक भव्य रामेश्वर महोदव मंदिर निर्माणाधीन है। महेश पटेल ने ग्रामीणजनो व मंदिर समिती को आश्वस्त किया कि, मंदिर के पूर्ण निर्माण एवं स्थापना तक समिती के साथ मैं भी पूर्ण रूप से तन-मन-धन से सहयोग करते हुए जल्द से जल्द इसे पुर्ण करने का संकल्प लेता हूं। मंदिर निर्माण को लेकर हर आवश्यकता जैसे सिमेंट, रेत, टाईल्स उपलब्ध करवाउंगा। मंदिर निर्माण के संकल्प के बाद महेश पटेल द्वारा हाथ से हाथ जोडो अभियान के तहत आयोजित सभा ग्रामीणजनों के बीच हर हर महादेव के नारो के साथ शुरू की गई। इसके पश्चात भाजपा सरकार द्वारा निकाली जा रही विकास यात्रा को आडे हाथ लेते हुए कहा कि, क्षेत्र में खस्ता सडके, बिजली समस्या पानी समस्या व्याप्त दिखाई देती है। आये दिन भ्रष्टाचार की खबरें सुनने में आती है तो फिर किस मायने में ये विकास यात्रा निकाली जा रही है। पटेल ने बताया कि, 2023 में कमलनाथ की सरकार आ रही है और हमारी सरकार बनते ही क्षेत्र में हर प्रकार की समस्या को दुरूस्त किया जायेगा। हाथ से हाथ जोडो के इस कार्यक्रम में महेश पटेल के साथ ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद लईक, राहुल परिहार, सोनू वर्मा, हरिश भाभर, सोमला बारिया के साथ कई कांग्रेसी कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित थे कार्यक्रम संपन्न होने के बाद महेश पटेल ने बच्चो को बिस्कुट व टॉफिया वितरण कर उनसे प्रेम संवाद किया।

व्यक्तित्व विकास में हिन्दी भाषा की भूमिका पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के लिए हिन्दी विभाग द्वारा आज 8 फरवरी को ÷व्यक्तित्व विकास में हिन्दी भाषा की भूमिका÷ विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के हिन्दी विभाग के डॉ. रूपसिंह मुझाल्दा सहा. प्राध्यापक ने व्यक्तित्व विकास की भूमिका बताते हुए स्वयं के व्यक्तित्व का विकास किस प्रकार किया जा सकता है। छोटे-छोटे प्रभावी उदाहरणों से अपनी बात रखते हुए मनुष्य जीवन में व्यक्तित्व का विशेष महत्व होता है। सूरत कैसी भी हो, लेकिन सीरत अच्छी होनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि यही सीरत ही आपके व्यक्तित्व को दर्शाती है। अर्थात कुछ लोग बहुत सुंदर दिखते हैं, लेकिन उनके बजाय कोई साधारण-सा व्यक्ति हमारे मन में अपनी गहरी छाप छोड़ देता है। हर मनुष्य का अपना-अपना व्यक्तित्व, अपनी पहचान है। इसकी विशेषता यही है कि लाखों-करोड़ों लोगों की भीड़ में वह अपन निराले व्यक्तित्व के कारण पहचान लिया जाता है। दरअसल, व्यक्ति की उस संपूर्ण छवि का नाम ही व्यक्तित्व है, जो वह दूसरों के सामने बनाता है। यानी यदि आपकी छवि सकारात्मक होती है तो आप दूसरे के सामने प्रशंसा के पात्र बन जाते हैं। इसी तरह यदि आपकी छवि नकारात्मक होती है तो आप अपमान के पात्र बन सकते हैं। खास बात यह कि किसी भी व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके केवल एक गुण के कारण नहीं बनता, बल्कि इसमें उसकी संपूर्ण छवियां जैसे-ज्ञान, अभिव्यक्ति, सहनशीलता, गंभीरता, प्रस्तुतीकरण आदि होती है।

डॉ. विक्रम सिंह चैहान विभागाध्यक्ष हिन्दी द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए छात्राओं को अपने उद्बोधन में कहा कि, सभी में कुछ खूबियां-खामियां होती हैं। बात सिर्फ इन्हें पहचानने और अच्छे गुणों को आत्मसात करने और बुरे गुणों का त्याग करने की है। यानी हम अपने व्यक्तित्व में हमेशा निखार ला सकते हैं। इस ओर सबसे पहले अपने मन-मस्तिष्क में सकारात्मक सोच लानी चाहिए। मतलब यदि हम सदैव सकारात्मक विचार रखेंगे तो हमेशा सृजनात्मक कार्य करेंगे जिससे हमरा सर्वांगीण विकास होगा। इस व्याख्यान में महाविद्यालय में अध्ययनरत विभिन्न स्नातक कक्षाओं की कुल 142 छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का आभार प्रो. अनिल राठौर द्वारा माना गया।

स्कूल और आंगनवाड़ी सरकारी नहीं गाँव की अपनी है, ऐसी भावना विकसित होना जरूरी है- कलेक्टर

जिले में नियुक्त हुए 135 युवा इंटर्नशिप के युवा

माही की गूंज, खरगोन।

मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत जिले ने 135 युवा इंटर्न नियुक्त हुए हैं। बुधवार को कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने नियुक्त हुए युवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में किस तरह कार्य करना है तथा आज का गांव किस तरह है और गांवां में हुए विकास कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि, आज गांव में स्कूल आंगनवाड़ी तथा कई शासकीय भवन स्थापित है। इनको गांव के नागरिक अपना न मानते हुए सरकारी मानते हैं। कभी गांव का स्कूल हुआ करता था। गांव के नागरिक इन्हें अपना मानने लगे ऐसी भावना निर्मित होना चाहिए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में नशामुक्ति और स्वच्छता का आपस में गहरा संबंध है। व्यक्ति के अंदर की स्वच्छता नशा मुक्त होने के बाद ही सम्भव है। सबसे ज्यादा जरूरी व्यक्तिगत सफाई की जरूरत है। कलेक्टर वर्मा ने युवा इंटर्न्स को उनके कार्य और गाँव में बदलाव की दिशा में वो कैसे भूमिका निभा सकते हैं इस संबंध में सम्बोधित किया। कलेक्टर सभाकक्ष में हुई बैठक के दौरान अपर कलेक्टर जेएस बघेल, एसडीएम ओएन सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिराली जैन, सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी भारत जमरे और महिला बाल विकास अधिकारी मोनिका बघेल उपस्थित रही।

स्कूल में पढ़ने वाले हर एक बच्चे का बनेगा जाति प्रमाण पत्र

कलेक्टर वर्मा ने नियुक्त इंटर्न्स से कहा कि, अभी जल्द ही जिले में हर स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने का कार्य प्रारम्भ होगा। इस कार्य में आप लोग भी सहभागी बनें। गाँव के नागरिकों को जागरूक करना है। कई योजनाओं का लाभ इसलिए नहीं मिल पाता कि क्योंकि जाति प्रमाण पत्र नहीं है। इस दिशा में खरगोन के सभी छात्रों के प्रमाण पत्र बनाने के लिए अभियान आवश्यक है।

गांव के नागरिकों का दस्तावेजीकरण भी जरूरी है

शासन की सभी महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन पात्रता और आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर तय होती है। कई नागरिक पात्र होने के बावजूद समय पर दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने से लाभ लेने में पिछड़े हैं। इसलिए उनके पास समय पर दस्तावेज उपलब्ध हो। इसके लिए नागरिकों में जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, संबल कार्ड, भू-अधिकार पुस्तिका, बीवन जैसे कई महत्वपूर्ण दस्तावेज संधारित कर रख सकें। जिले में 135 युवा इंटर्न्स प्रति जनपद में 15-15 नियुक्त किये गए हैं।

कन्या विवाह योजनातंर्गत 22 जोडों ने जीवन भर साथ निभाने का लिया वचन

माही की गूंज, खरगोन।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत कसरावद जनपद में बुधवार को सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। यहां हिन्दु रीति रिवाज के अनुसार मंत्रोचार कर सामूहिक विवाह सम्मेलन में 22 जोड़ों ने एक दूसरे का वर माला पहनाकर सात फेरे लेकर जीवन भर साथ निभाने का वचन लिया। इस मौके पर वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुबाई तंवर, क्षेत्रीय विधायक सचिन यादव, पूर्व विधायक आत्माराम पटेल सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता पहुंचे। यहां पर जनप्रतिनिधियों ने वर वधू को हमेशा साथ रहने व स्वास्थ्य जीवन का आशीर्वाद देते हुए शुभकामनाएं दी गई। मुख्यमंत्री कन्या विवाह के तहत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में कन्याओं को शासन की ओर से जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तंवर ने बन्द लिफाफे में 11 हजार रूपये का चेक और 38 हजार रूपये की घरेलू सामग्री गैस चूल्हा, बर्तन, आलमारी, बिस्तर सहित अन्य सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की। विवाह सम्मेलन में जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी मौजूद रहे।

विधानसभाओं के 71 ग्रामों में विकास रथ के साथ पहुंचेगी यात्रा

माही की गूंज, खरगोन। आज जिले की छः विधानसभाओं के 71 ग्रामों में विकास रथ के साथ विकास यात्राएं पहुंचेगी। जिले में निकाली जा रही विकास यात्राएं के माध्यम से शासन के विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा वंचित हितग्राहियों को शासन की जनकल्याण कारी योजनाओं से लाभान्तिव करने के लिए विकास यात्राएं निकाली जा रही है। साथ ही विकास यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में पात्र पाये गए हितग्राहियों को भी हितलाभ वितरण किया जा रहा है। खरगोन विधानसभा में विकास यात्रा नंदगांवबगुद से प्रारंभ होकर इच्छापुर, गवला, अकावलया, रामपुरा, रजूर रमणगांव, आवली होते हुए लिक्खी में यात्रा का समापन होगा। इसी तरह महेश्वर विधानसभा में कुसुम्भ्या से मक्षी, सेल, टेमरीया, काछीकुआ, राबडघाटी, मनावर, आशापुर, करोली, ईटावदी, गवाला, बरडिया, बडा होते हुए महेतवाडा में समापन, भगवानपुरा विधानसभा में खापरजामली से प्रारंभ होकर सिरवेल, उमरिया, सातपाटी होते हुए अंबा में समापन, भीकनगांव विधानसभा में नरगांव से प्रारंभ होकर नवलपुरा, सिराली, कालधा, खारवी, घोडवा, बोरूठ, पिपल्या, अंजनगांव, चौण्डी, मुहाली, गवल, मनोहरपुरा रामपुरा होते हुए कांक्षर में समापन कसरावद विधानसभा में सलीमपुरा से प्रारंभ होकर पागाखेड़ी, रूपखेडा, काछीपुरा, बामंदी, जलखां, तितरान्या, डोलानी, जहांगीरबाद, नायदड, महेदपुरा, हीरापुरा, दखनीपुरा, बिलवाख धुवाखेड़ी होते हुए भौसावद में समापन तथा बड़वाह विधानसभा में विकास यात्रा काटकूट से प्रारंभ होकर लिम्बीबुजुर्ग, बरखेडा, पालसूद, बरगना, सालीखेडा, घांघला, कोदबारबुजुर्ग, नागझिरी, टिटवापलासिया होते हुए राजना में यात्रा का समापन होगा।

जिले की 2 नगर पालिका एवं 5 नगर परिषद में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का हुआ निर्वाचन

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले के नगर पालिका बड़वानी, सेंधवा तथा नगर परिषद अंजड, राजपुर, पलसूद, पानसेमल एवं खेतिया में निर्वाचित पार्षदो का प्रथम सम्मेलन बुधवार को संबंधित नगर पालिका / नगर परिषद में पीठासीन अधिकारियो की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस दौरान प्रथम सम्मेलन के दौरान निर्वाचित पार्षदो ने मतदान कर अपने बीच से अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन किया। जिसमें बड़वानी नगर पालिका में अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी चैहान एवं उपाध्यक्ष सुभाष भावसार, नगर पालिका सेंधवा में अध्यक्ष श्रीमती बसंतीबाई यादव, उपाध्यक्ष मोहनलाल जोशी निर्वाचित हुए।

इसी प्रकार नगर परिषद राजपुर में अध्यक्ष श्रीमती शिखा अग्रवाल तथा उपाध्यक्ष आकाश बर्मन, नगर परिषद पलसूद में अध्यक्ष श्रीमती मसराबाई अलावे तथा उपाध्यक्ष दिलीप कुशवाह, नगर परिषद खेतिया में अध्यक्ष दशरथ निकुम तथा उपाध्यक्ष चेतन जैन, नगर परिषद पानसेमल में अध्यक्ष शैलेष भण्डारकर तथा उपाध्यक्ष साहेबराव चैधरी नगर परिषद अंजड में अध्यक्ष मांगीलाल पाटीदार तथा उपाध्यक्ष श्रीमती बसंतीबाई पिपल्या निर्वाचित हुए।

निर्माणाधीन फोर लाइन रोड पर जमीन दिखाकर 23 लाख से ज्यादा की हुई धोखाधड़ी

माही की गूंज, शामगढ़।

शामगढ़-सुवासरा क्षेत्र में निर्माणाधीन फोर लाइन हाईवे पर जमीन दिखाकर फर्जी दलालों ने शामगढ़ के टायर व्यवसाई के साथ 23 लाख रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी की। व्यवसाई ने सीतामऊ थाने पर शिकायत दर्ज कराई। मामला सुवासरा क्षेत्र के ढाबला देवल गांव का है जहां पर निर्माणाधीन फोर लाइन हाईवे पर लगभग 6 बीघा जमीन फर्जी दलाल लालू नाथ निवासी सेमली शंकर एवं प्रहलाद बंजारा निवासी ढाबला देवल द्वारा टायर व्यवसाई मोंटी खन्ना का जमीन का सौदा ढाबला देवल निवासी दशरथ सिंह व अन्य लोगों से कराया गया। इसकी एवज में दलालों द्वारा मोटी रकम भी वसूली गई और क्रेता मोंटी खन्ना से 23 लाख रुपए से ज्यादा की राशि जमीन पेटे दशरथ सिंह वगैरा के साथ मिलकर हड़प ली गई। सोमवार को जमीन की रजिस्ट्री सीतामऊ रजिस्ट्रार कार्यालय में होनी थी। जिसके लिए विधिवत स्टाम ड्यूटी जमा कर स्लाट बुक कराया गया। लेकिन फर्जी दलालों द्वारा लालू नाथ निवासी सेमली शंकर प्रहलाद बंजारा निवासी ढाबला देवल दलाली के 4 लाख रुपए लेने के बाद भी 4 लाख रुपए की और मांग की गई। साथी शंभू बंजारा व प्रहलाद बंजारा द्वारा कहा गया कि, जमीन पर हमारा कब्जा है जिसके लिए आप को 5 लाख रुपए बीघा से हमे रुपए देकर कब्जा छुड़वाना पड़ेगा। उसके बाद ही हम रजिस्ट्री करवाएंगे। उसके बाद उक्त दलालों द्वारा क्रेता मोंटी खन्ना से लिखापढ़ी के पेपर लेने के बाद गली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी गई। उसके बाद अपने संग हुई ठगी की जानकारी सीतामऊ थाने में शिकायत दर्ज कराई।

व्यवसाई मोंटी खन्ना का कहना है कि, उनके द्वारा पूर्व में 23 लाख रुपए तो जमीन धनी की ओर दिए गए। साथ ही 4लाख दलालों ने ठगे उनके द्वारा आज रजिस्ट्री हेतु प्लाट बुक कराया गया। जिसमें एक लाख रुपए से अधिक की स्टांप ड्यूटी भरी गई। बावजूद उसके रजिस्ट्री कराने में आनाकानी करी और रजिस्ट्री नहीं कराई।

फिलहाल मामले में सीतामऊ पुलिस नियम विपरीत लाइसेंस के ऑनलाइन पर बड़े-बड़े सपने दिखाकर जमीन बेचने वाले अवैध भूमाफिया एवं दलालों के विरुद्ध मामले में जांच कर रही है।

शहर में लगे कैमरों की मदद से चालानी कार्रवाई हुई तेज़

माही की गूंज, शाजापुर।

शहर शाजापुर में कैमरों द्वारा चालानी प्रक्रिया शुरू होते ही थाना यातायात पुलिस शाजापुर द्वारा विगत 5 दिनों में यातायात नियमो का पालन नहीं करने वाले, हेलमेट नहीं धारण करने वाले 50 वाहन चालको के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाकर फोटो सहित चालानी नोटिस पोस्ट-ऑफिस के डाक द्वारा वाहन चालको के घर भेजे जा चुके है।

थाना यातायात थाना प्रभारी शाजापुर श्री सूबेदार सतेन्द्र राजपूत ने बताया कि, सभी वाहन चालको को 7 दिवस का समय दिया गया है। जिसमें वाहन चालक थाना यातायात शाजापुर, नवीन भवन लालघाटी शाजापुर पर उपस्थित होकर कार्यालय समय में अपना चालान जमा कर सकते है।

उल्लेखनीय है कि, यातायात पुलिस शाजापुर द्वारा पिछले वर्ष 2022 से ही ई-चालानी कार्रवाई की जा रही है। उसी के द्वितीय चरण में अब जिलो में पुलिस दूरसंचार मुख्यालय भोपाल द्वारा स्थापित कैमरों की मदद से शहर में यातायात नियम का पालन नहीं करने वाले, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट धारण नहीं करने, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने, रेड लाइट सिग्नल जम्प करने वाले एवं गलत दिशा में वाहन चलाने वाले वाहन चालको के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जा रही है। यदि किसी वाहन चालक द्वारा नोटिस प्राप्त करने के उपरांत भी चालान जमा नहीं किया जाता है, तो सम्बंधित वाहन चालक के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए चालान को वर्चुअल कोर्ट अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा। उच्च न्यायालय जबलपुर और पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार कण्ट्रोल रूम शाजापुर के कैमरों की मदद से चालानी कार्रवाई प्रारम्भ की गयी है। पिछले 5 दिनों में 50 वाहन चालको के विरुद्ध चालानी नोटिस जारी किए जाकर डाक से उन्हें भेजे गए है। वरिष्ट अधिकारियो के निर्देश अनुसार कैमरे द्वारा चालानी कार्यवाही में ओर तेज़ी लाई जाएगी।

थाना यातायात थाना प्रभारी शाजापुर राजपूत ने सभी वाहन चालको से अनुरोध किया है कि, यातयात नियमो का पालन करे, दो पहिया चलाते समय हेलमेट अवश्य लगाए। अनावश्यक चालानी कार्रवाई से बचे। चालान नोटिस प्राप्त होते ही समय से चालानी राशि थाने पर जमा करवाएं।

जीर्ण-शीर्ण हो रही पानी की टंकी, बना रहता है दुर्घटना का अंदेशा

माही की गूंज, आम्बुआ।

कस्बे में वर्षों पूर्व तत्कालीन सांसद की पहल से जल प्रदाय हेतु एक टंकी का निर्माण किया गया था। उस समय कस्बे की आबादी बहुत कम होने के कारण प्रतिदिन जल प्रदाय किया जाता था। मगर अब आबादी बढ़ जाने के कारण पुराना कस्बा क्षेत्र में एक दिन छोड़कर जल प्रदाय हो रहा है, जबकि शेष आबादी अपने स्तर से स्वयं के ट्यूबवेल से अपनी प्यास बुझा रही है। टंकी पुरानी होने से दुर्घटना का भय बना हुआ है। इस कारण ग्रामीण क्षेत्र में नवनिर्मित जल जीवन मिशन योजना की टंकी से जल प्रदाय की मांग की जा रही है। मगर ठेकेदार तथा लोक स्वास्थ विभाग की मिलीभगत से कस्बे में पाइपलाइन नहीं डाली जा रही है जिससे नागरिकों में रोष व्याप्त है।

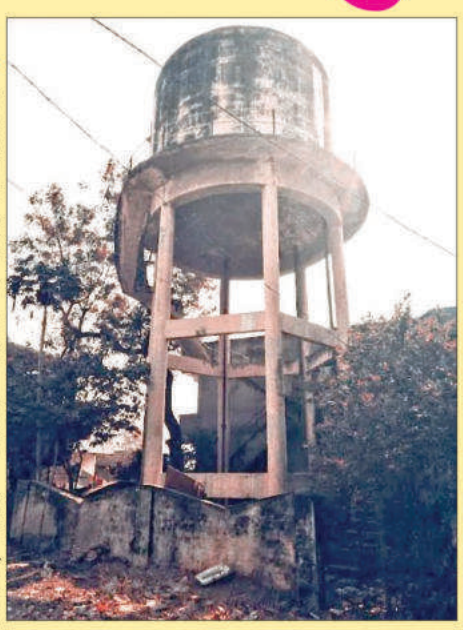

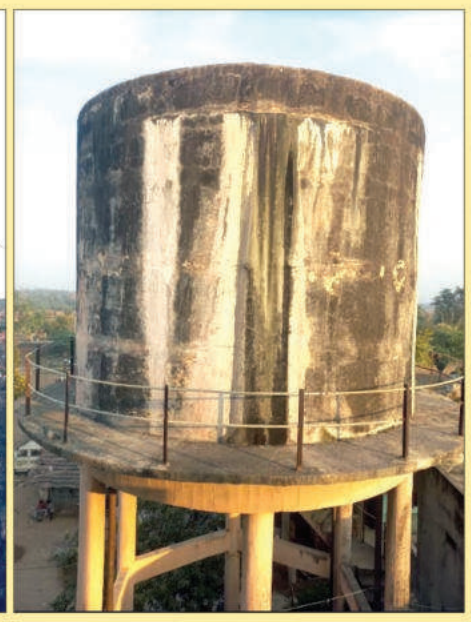

गूंज प्रतिनिधि के अनुसार तत्कालीन कांग्रेसी सांसद दिलीप सिंह भूरिया की विशेष पहल पर लगभग 40 वर्षों पूर्व आम्बुआ तथा नानपुर में जल प्रदाय हेतु टंकी का निर्माण पीएचई विभाग द्वारा ठेकेदार के माध्यम से कराया गया था। जिस समय टंकी निर्माण कराई गई थी तब आम्बुआ कस्बा (ग्रामीण छोड़कर) की आबादी भवन तथा जनसंख्या बहुत ही कम थी। जिस कारण नल कनेक्शन कम होने के कारण पानी का दबाव (प्रेशर) इतना अधिक था कि नल का पानी दो मंजिला भवन की उपरी मंजिल तथा तक तक पानी चढ़ जाता था। जल प्रदाय पंचायत के माध्यम से किया जा कर तब 20 फिर 40 तथा 60 फिर 80 रूपए का शुल्क और अब 100 रुपए शुल्क लिया जाता था। मगर कस्बे में आबादी बढ़ने के कारण अब 1 दिन छोड़कर 100 रुपये मासिक शुल्क पर जल प्रदाय किया जा रहा है।

यह टंकी पुरानी होने के कारण टंकी की दीवारों से पानी का रिसाव होने लगा है। कस्बे के वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा द्वारा कुछ वर्षों पूर्व लोक कल्याण/ जन समस्या निवारण शिविर में टंकी मरम्मत की मांग का आवेदन किया जाने के बाद लोक स्वास्थ यांत्रिकी (पी.एच.ई) के माध्यम से टंकी की मरम्मत कराई गई। जिससे पानी का रिसाव बंद हो गया लेकिन वर्तमान में यह स्थिति पुनः हो रही है। पूरी टंकी में दरारे नजर आने लगी है। स्थिति यह है कि, टंकी कभी भी दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। केंद्र शासन की नल जल (जल जीवन मिशन) योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र काला दगड़ा फलिया में एक टंकी निर्मित की गई है। ठेकेदार द्वारा कस्बे को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्र तथा पुलिस थाना क्षेत्र से आश्रम तक पाइप बिछा दी गई तथा जल प्रदाय हेतु प्रायोगिक क्रिया प्रारंभ की जाए रही है। मगर कस्बे में जल प्रदाय हेतु पाइपलाइन नहीं डाली जा रही है।

ठेकेदार का कहना है कि, जितना कार्य स्वीकृत था कर दिया है आगे का कार्य पी.एच.ई विभाग को देखना है। पी.एच.ई विभाग के जवाबदार कोई जवाब नहीं दे रहे हैं। इन दोनों के बीच कस्बे के जल उपभोक्ता फंसे हुए हैं। लगभग 5-6 माह पूर्व नल कनेक्शन हेतु कस्बे से जल उपभोक्ताओं से घर-घर जाकर आधार कार्ड आदि एकत्र करके कर्मचारी ले गए तो अब जल आपूर्ति क्यों नहीं की जा रही है, यह विचारणीय है। प्रशासन को त्वरित ध्यान देना जरूरी माना जा रहा है।

इनका कहना है

आम्बुआ में लगभग 40-42 साल पूर्व टंकी बनी थी जो कि कभी भी गिर सकती है।

टंकी के पास रहने वाले चांद मोहम्मद मकरानी

टंकी बहुत पुरानी हो गई है कभी भी गिर सकती है। जिससे हमारे तथा आसपास रहने वाले परिवार की जान को खतरा है।

खुजेमा भाई बोहरा

जब नई टंकी से कस्बे में पानी नहीं दिया जाना था तो आधार कार्ड क्यों एकत्र कर ले गए।

भरत माहेश्वरी वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता

विकास यात्रा में पहुंचे कलेक्टर, लिया व्यवस्थाओं का जायजा

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विकास यात्रा के तहत ग्राम जामनी में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जन समस्या संबंधित प्राप्त आवेदनों को संधारित की जाने वाली पंजी का अवलोकन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर सिंह ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की बात कही। उन्होंने विकास यात्रा के माध्यम से ग्राम विकास हेतु किये जा रहे प्रयासों पर प्रकाष डाला।

इस अवसर पर कार्यक्रम को विधायक प्रतिनिधि विशाल रावत ने संबोधित करते हुए ग्रामीणों को केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने की बात कही। उन्होंने विकास यात्रा के माध्यम से विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण तथा मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के दौरान प्रात्रता धारियों के प्राप्त आवेदनों के स्वीकृति पत्रों के वितरण की जानकारी देते हुए उक्त पहल को पात्रताधारियों तक पहुंचने वाला अनूठा प्रयास बताया।

कार्यक्रम में एसडीएम डीएन सिंह ने विकास कार्यों की जानकारी दी। सीईओ जनपद पंचायत राठौर ने ग्राम विकास हेतु किये जा रहे प्रयासों, भूमिपूजन, लोकार्पण एवं पात्रताधारियों के स्वीकृति पत्रों के वितरण संबंधित जानकारी दी। कार्यक्रम में बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

दाऊदी बोहरा समाज के वरिष्ठ व्यापारी शैख हुसैनी को सैयदना साब ने हदियत शरफ से नवाजा

माही की गूंज, आम्बुआ।

दाऊदी बोहरा समाज के अगाध श्रद्धा केंद्र धर्मगुरु डॉ. सैयदना आलीकदर मुफद्दल सैफुद्दीन साहेब ने गत दिन सैफी महल मुंबई में हदियत शरफ (शैख) की उपाधि से अलंकृत किया गया। उल्लेखनीय हैं कि, श्री हुसैनी भाई इब्राहिम भाई बोहरा वर्षों से मुल्ला के पद पर रहे है एवं समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहे है। इनको सैयदना साहब द्वारा दी गई। उपाधि पर आम्बुआ के जनाब मुल्ला हातिम राजा, वालीमुल्ला शब्बीरभाई, मु.मोहम्मदभाई, नानपुर के वरिष्ठ पत्रकार मु. शफकत दाऊदी सहित समाजजनों, पत्रकारगणो, समाजसेवी संस्थाओं, राजनेताओं ने मुबारकबाद देते हुवे उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

माघ पूर्णिमा पर होली का डांडा गाड़ा गया, एक माह तक शुभ कार्य रहेंगे बंद

माही की गूंज, आम्बुआ।

बसंत पंचमी के साथ ही होली की आहट सुनाई देने लगती है तथा माघ पूर्णिमा के दिन शुभ मुहूर्त में होली का डांडा गाड़ दिया जाने के बाद ग्रामीण एक माह तक कोई शुभ कार्य नहीं करते हैं।

अलीराजपुर जिले में आदिवासी संस्कृति का लोक पर्व भगौरिया होलिका दहन के पूर्व एक सप्ताह तक मनाया जाता है। यह त्यौहार होली के आगमन का पूर्व संदेश देता है। इसी के साथ-साथ होली का डांडा भी जब गड़ जाता है। तो ग्रामीण परंपरा के अनुसार विवाह आदि शुभ कार्य भी एक माह के लिए बंद हो जाते हैं जो कि होलिका दहन के पश्चात प्रारंभ होते हैं। होली का डांडा ग्रामीण क्षेत्रों के पुजारा द्वारा विधि विधान के साथ प्रतिवर्ष गाड़ा जाता है। इस बार भी पुजारा ने डांटा गाड़ दिया। अब भगौरिया तथा होली की मस्ती का इंतजार क्षेत्रवासी बेसब्री से कर रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने भजन के माध्यम से मामा को जगाने का किया प्रयास

मामा शिवराज की विकास नही विनाश यात्रा है- कांग्रेसी नेता पटेल

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार हाथ से हाथ जोडो अभियान के तहत पूर्व कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष महेश पटेल के नेतृत्व में जिले के ग्राम झिरण, भेरूघाटी व छोटा खुटाजा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस संगठन सहप्रभारी मधु हिरोड़कर, अलीराजपुर नपा अध्यक्ष सेना पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों को बताया

कांग्रेसी नेताओं ने ग्राम झिरण व भेरूघाटी में सभा करते हुए कांग्रेस की 15 महीने की सरकार की उपलब्धियों को बताया गया। वही कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ताओं ने ग्राम खुटाजा में भजन के माध्यम से शिवराज मामा मामा के जागने का प्रयास किया। इस दौरान नेताओं व कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए भजन की शानदार प्रस्तुति दी। जिसमें बिजली, सड़क, पानी, पुलिया, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से सरकार का ध्यान अवगत कराते हुए शिवराज मामा को जगाने का आव्हान किया। इस अवसर पर कांग्रेसी नेताओं ने ग्राम की समस्याओं को लेकर तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महेश पटेल ने कहा कि, प्रदेश के मुखिया मामा शिवराजसिंह चौहान प्रदेशभर में विकास यात्रा निकलने जा रहे है। यह विकास नही बल्कि विनाश यात्रा है और आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी आम जनता के सहयोग से उनकी विनाश यात्रा निकाल देंगे। ग्राम खुटाजा में भाजपा की 18 वर्ष की सरकार के बाद भी यहां ना तो सड़क है, न ही बिजली और पानी है। ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं का लाभ नही मिल रहा है ओर मूलभूत सुविधाओं से आज भी वह वंचित है। जब अंचलों में विकास नहीं तो फिर शिवराज मामाजी क्यों विकास यात्रा निकाल रहे है।

सहप्रभारी मधु हिरोड़कर ने कहा कि, कांग्रेस सरकार ने वर्षो आदिवासी हित में कार्य किया है, कांग्रेस गरीबो व दलितों के लिए काम करने वाली पार्टी है। जबकि भाजपा गरीबो का पेट काटने व अमीरों के पेट भरने वाली पार्टी है।

इस अवसर पर आजाद नगर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लईक, जिला संगठन मंत्री खुर्शीद अली दिवान, कांग्रेसी नेता हरीश भाबर, दिलीप बारिया, प्रताप परमार, आंगना मावी, केवन, दरयाव, रमेश डामोर,अभेसिंह बघेल, दलसिंह कटारा, सोनू वर्मा, इरफान मंसूरी, नरवर गोवर, कहरू, संजय, मनीष सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

संस्था शिक्षिका रमीला चौहान की सेवानिवृत्त पर दी विदाई

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर

एकीकृत शाला परिसर अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय के प्राथमिक विभाग में अध्यापनरत शिक्षिका रमिला चौहान की सेवानिवृत्ति पर उत्कृष्ट विद्यालय स्टाफ सदस्यों द्वारा भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर संस्था प्रभारी प्राचार्य निलेश शाह ने कहा कि, शासकीय सेवा में सेवानिवृत्ति प्रत्येक शासकीय सेवक के जीवन का सुखद क्षण हैं जो सभी शासकीय सेवकों के जीवन में आता हैं। साथ ही निरंतर सेवा में साथ रहकर अपने साथियों को छोड़कर विदा होने का दुःख भी जरूर होता हैं। सेवानिवृत शिक्षिका रमीला चौहान ने अपना कार्यकाल निर्विघ्न पूर्ण किया हैं वह बधाई की पात्र हैं।

बीआरसी राजेंद्र बैरागी ने कहा कि, जहां तक मुझे ज्ञात हैं सेवानिवृत शिक्षिका रमिला चौहान का जीवन संघर्ष भरा रहा हैं। सेवानिवृत्ति पर हम सभी यही कामना करते हैं कि आपका बाकी जीवन अपने परिवार के साथ अच्छे से व्यतीत करे। इस अवसर पर एकीकृत शाला उत्कृष्ट विद्यालय का समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संस्था शिक्षक हेमेंद्र गुप्ता द्वारा किया व आभार शाहीद मो.शेख ने माना।

वन बचाते हुए वनों से आय प्राप्त कर पेश की मिसाल

माही की गूंज, बरझर।

चंद्रशेखर आजाद नगर क्षेत्र के ग्राम बड़ीपोल वन समिति द्वारा वर्ष 2012 में बांस रोपण कर दस वर्षो बाद लगभग 25 प्रतिशत बांस कटाई कर 2 लाख 33 हजार रुपए के लगभग लाभ प्राप्त कर पूरे जिले में वन बचाते हुए वनों से आय प्राप्त कर एक मिसाल कायम की है। हमे वनों को न काटते हुए वनों को आजीविका का साधन बनाना है। पूरी समिति बधाई बधाई की पात्र होकर आलीराजपुर जिले के लिए आदर्श समिति के रूप में जानी जाएंगे। अध्यक्ष बसंती बाई टुलिया, सचिव भिमसिंह कनेश सहित 11 सदस्यों एवं सभी ग्रामीणों की सुविधा के लिए लाभांश राशि से ग्राम पंचायत के लिए विवाह आदि आयोजनों के लिए टेंट सामग्री में बर्तन, कुर्सियां, सीलिंग, पानी ड्रम आदि सामग्री क्रय की गई। इस अवसर पर नारायण अरोड़ा उपाध्यक्ष नगर परिषद, मनीष शुक्ला मंडल अध्यक्ष, अजय जयसवाल जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा, हुजेफा असद, धर्मेंद्र जायसवाल, सुरेश माहेश्वरी उपस्थित हुए।

पूर्व विधायक डावर वन विकास निगम अध्यक्ष नियुक्त, शहर में जगह-जगह हुआ स्वागत

सकल व्यापारी संघ स्वागत समारोह का किया आयोजन

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

सांसद प्रतिनिधि एवं पूर्व विधायक माधवसिंह डावर के वन विभाग निगम अध्यक्ष नियुक्त होने पर स्वागत समारोह आयोजित कर शहर भर में रेली निकालकर जगह-जगह फूलमालाओं से स्वागत किया व फल- नारियल से माधवसिंह डावर को जगह-जगह तोला गया। पूरे शहर में घूम कर रेली आजाद ग्राउंड टाऊन हाल में पहुंचकर सभा में तब्दील हो गई। जहा इस अवसर पर माधवसिंह डावर ने कार्यकर्ताओं से कहा कि, जहां आपका पसीना बहेगा वहां मेरा खून का कतरा बहेगा।

वन विकास निगम अध्यक्ष माधवसिंह डावर ने मंच से सम्बंधित करते हुए कहा कि, ये सम्मान समारोह भाजपा की देन है। भाजपा पार्टी एक चाय वालें को प्रधानमंत्री, किसान को मुख्यमंत्री ओर एक पंच को वन विकास निगम का अध्यक्ष पद केबिनेट का दर्जा देकर भोपाल में बेठा सकती है। इसलिए कहता हूं हमे नर्वस नहीं होना चाहिए। हम भाजपा से जुड़े हैं। मरते दम तक भाजपा में जुड़े रहना है। ये संकल्प होना चाहिए। काम होतै भी है काम नहीं भी होते हैं। दस काम मांगो नो काम होते हैं एक काम नहीं होता है। यदी सच्चे मन से मांग करोंगे तो कोई काम व्यर्थ नहीं जायेगा सभी काम पूरे होंगे। साथ ही डावर ने कहा कि, मैं वन विकास निगम का अध्यक्ष हू जंगल का हूं पर मेने हमेशा सभी काम करने की बात कही।

डावर ने कहा कि, मंच से वक्ताओं ने मेरी स्टेच्यू बनाने की बात कही ओर मेरी तारीख भी पूछ रहे हैं पर में अभी तारीख नहीं बताने को कहा, जब तक हर गांव शहर में विकास की गंगा ना बह जाये तब तक मेरा स्टेच्यू नही बनाना। साथ ही डावर ने मंच पर बेठे वक्ताओं से कहा कि, लड़ाई मतभेद हर घर में होते है पर मन भेद नहीं होने चाहिए एक सब एक हैं। बस अब काना फुंसी मत करना अब चुनाव आ रहे हैं बस विकास की बात करना है।

इस अवसर जनपद अध्यक्ष इन्दर सिंह डावर ने भी भाजपा के 17 वर्ष के विकास की बात कही। साथ ही भूपेंद्र डावर ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर भाजपा के कार्यकर्ता, जनपत सदस्य, सरपंच, पंच व क्षैत्रीय जनता विशेष रूप से मोजूद थी।

सकल व्यापारी संघ ने किया सम्मानित

माधव सिंह डावर के वन विकास निगम के अध्यक्ष नियुक्त होने पर सकल व्यापारी संघ चंद्रशेखर आजाद नगर के द्वारा भव्य स्वागत समारोह का आयोजन राम मंदिर चौराहे पर किया गया।

आयोजन में स्वागत समारोह के दौरान वन विकास निगम अध्यक्ष माधवसिंह डावर ने कहा, मैं आज मध्यप्रदेश शासन के साथ ही भाजपा के समस्त शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने पूरे मध्यप्रदेश में कई भाजपा के वरिष्ठ एवं कद्दावर नेता होने के बाद भी मुझ पर विश्वास व्यक्त किया और मुझे वन विकास निगम के अध्यक्ष पद की जवाबदारी दी। 40 वर्षों के इंतजार के पश्चात आज मैं अपने नगर व क्षेत्र में सकल व्यापारी संघ के साथ नगर की जनता से जो भरपूर सम्मान प्राप्त हुआ हैं उसे पाकर मैं बहुत प्रसन्न हूं। मेरा सपना था राजनीति के माध्यम से जनसेवा का इसीलिए मैंने शासकीय सेवा को छोड़कर जनसेवा को चुना।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण व्यापारी संघ के अध्यक्ष नितिन शाह ने देते हुए कहा, क्षेत्र में एक नाम ऐसा है जो क्षेत्र की निरंतर उन्नति और प्रगति के लिये अग्रणी रहा हैं सरल और सौम्य स्वभाव के धनी माधव सिंह डावर विधायक के पद पर रहते हुए भी और विधायक पद से हटने के बाद भी क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए हर समय कार्य करते रहे है। आज उसी का परिणाम है कि उन्हें प्रदेश सरकार ने इतनी बड़ी जिम्मेदारी देकर वन विकास निगम के अध्यक्ष पद पर चयन किया हैं, वे बधाई के पात्र हैं।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मनीष शुक्ला, सकल व्यापारी संघ के संरक्षक योगेश जैन, शब्बीर एम सर एवं यशवंत जैन द्वारा भी डावर के सम्मान स्वरूप संबोधित किया। नवनियुक्त वन विकास निगम अध्यक्ष माधव सिंह डावर का स्वागत सकल व्यापारी संघ के अध्यक्ष नितिन शाह, सचिव निर्मल जायसवाल, योगेश जैन, सैफी पतासिया, याकूब खत्री, यशंवत जैन, दिनेश अरोड़ा, मोईज शाकीर, मुस्तुफा मोईज, मन्नानभाई, राजेश माहेश्वरी सहित नगर के सकल व्यापारी संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा वजनी माला से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन हेमेंद्र गुप्ता द्वारा किया गया। आभार सकल व्यापारी संघ के सचिव निर्मल जायसवाल ने व्यक्त किया।

आर्थिक लाभ के साथ दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाएं बन जाती है असमय मौत का कारण

भवानीमंडी के नवजीवन हॉस्पिटल के स्वार्थ नें लिये मासूम प्रहल के प्राण

हॉस्पिटल की लापरवाही के विरोध में हजारों लोग सड़क पर, प्रहल झाबुआ का था नाती

माही की गूंज (डेस्क न्यूज)

भवानीमंडी (झालावाड़ राज.)। जब किसी के घर का चिराग जो की एक मासूम होकर घर में अपनी मासूम रूपी शरारतो से हर किसी के चेहरे पर खुशी लाने वाला हो और जो 1 दिन पहले तक अपने घर आंगन व मोहल्ले में कुद-कुदकर खेल रहा हो और वह अपनी मीठी शरारत के साथ रात्रि विश्राम के साथ भोर में उठते ही अपने खिलखिलाते चेहरे से अपने माता-पिता, दादा-दादी व अपने भाई बहन के चेहरे को भी दिन की शुरुआत के साथ खुशी देने वाले मासूम की मौत किसी हॉस्पिटल की लापरवाही से हो जाए तो तय है कि, इसकी पीड़ा तो वह माता-पिता व परिवार के लिए कितनी असहनिय होती है यह तो वह परिवार ही महसूस कर सकता है।

कुछ ऐसा ही असहनीय मामला झाबुआ (म.प्र.) के गोविंद भानपुरिया का नाती व भवानीमंडी जिला झालावाड़ राज. के आशीष व उपासना पारेता का 8 वर्षीय पुत्र प्रहल उर्फ पुरू को हॉस्पिटल के मेनेजमेंट के आर्थिक स्वार्थ के साथ बिना डॉक्टर की उपस्थिति में एडमिट कर मौत के घाट उतारने का मामला सामने आया है।

व्यापारी आशीष पारेता निवासी भवानीमंडी राज. का 8 वर्षीय पुत्र जोकि अपने घर ही नहीं वरन पूरे मोहल्ले के रहवासियों व हर किसी का चहेता अपनी चुलबुली बाते व मासूमियत रूपी शरारतो से हर किसी के चेहरे पर हर समय खुशी ला देने वाला प्रहल (पुरू) जो की पुर्णतः स्वस्थ होकर 24 जनवरी को सोने के पहले तक मोहल्ले में कुद- कुदकर हंसते-हंसाते हुए खेल रहा था 25 जनवरी को सुबह उठने के बाद पेट में कुछ असहनीय दर्द होने पर पिता आशीष व मां उपासना पारेता गांव के चर्चित हॉस्पिटल नवजीवन में उपचार हेतु सुबह साढे 6 बजे हॉस्पिटल में पदस्थ शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शैलेंद्र पाटीदार से उपचार कराने हेतु ले गए। जहां ड्यूटी पर कार्यरत डॉ. कुलदीप सिंह ने डॉक्टर शैलेंद्र पाटीदार का होना बताया व ओपीडी दर्ज करवाकर प्राथमिक उपचार शुरू दिया और डॉक्टर शैलेंद्र पाटीदार आकर पेशेंट को देखने की बात कुलदीप सिंह ने परिजनों को कहीं। वही 8 बजे ड्यूटी डॉक्टर चेंज होकर एक अन्य व्यक्ति हरिवल्लभ पटेल नामक व्यक्ति आया और वह अपने आपको डॉक्टर बताते हुए अपनी मर्जी से इलाज करने लगा तो परिजनों ने शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शैलेंद्र पाटीदार सर कहा है वह आकर हमारे बेटे का उपचार करे, की बात कही। जिस पर परिजनों को हरिवल्लभ ने आश्वस्त करते हुए कहा पेशेंट का ईलाज डॉक्टर शैलेंद्र सर के कहे अनुसार ही हो रहा है और डॉ शैलेंद्र जी पाटीदार भी पेशेंट को आकर देखेंगे, बच्चे का स्वास्थ्य अभी अच्छा है कहते हुए अपने आपको डॉक्टर बताने वाला हरिवल्लभ भी साढे 10 बजे के करीब हॉस्पिटल से लापता हो गया। इस स्थिति में हॉस्पिटल में बच्चे को संभालने वाला कोई नहीं रहा और मासूम पुरू की तबीयत बिगड़ने पर रिशेप्सन काउंटर पर संपर्क करने पर सांत्वना देने के साथ डॉक्टर हरिवल्लभ व डॉक्टर शैलेंद्र पाटीदार भी आने वाले हैं जो आकर पेशेंट को देखेंगे आप किसी बात की चिंता मत करो कहते रहे। हर पल बच्चे की तबीयत अधिक बिगड़ती रही लेकिन ना ही हॉस्पिटल में हरिवल्लभ और ना ही डॉक्टर शैलेंद्र पाटीदार आए। परिजनों द्वारा बच्चे का स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ते देख उपस्थित स्वास्थ्य कर्मीयो पर गुस्सा होने पर करीब डेढ बजे हरिवल्लभ हॉस्पिटल में आया और कहा डॉक्टर शैलेंद्र जी पाटीदार बाहर शादी में गए हैं, इसीलिए नहीं आएंगे और फोन पर उनसे कोई बात भी नहीं हो पाएगी।

पारेता परिवार के घर का चिराग ,अपनी मांसुम शरारतो से हर किसी का दिल जितने वाला प्रहल(पुरू) की नवजीवन ने क्षणिक स्वार्थ के लिये ले ली जान।

एक दिन पुर्व पुरी तरह से फिट अपने आंगन में कुद-कुदकर खेलते हुए प्रहल को बता रहां नवजीवन हास्पिटल अनफिट, तो क्यो बिना विशेषज्ञ डाक्टर के किया भर्ती।

डॉक्टर हरिवल्लभ की बात सुनने के बाद परिजनों का गुस्सा फूटा और कहा जब डॉक्टर पाटीदार थे ही नहीं तो उनकी उपस्थिति होना बताकर क्यो भर्ती किया...? और अब से पहले तक डॉ. साहब आ रहे हैं की बात कह कर हमें गुमराह कर हमारे बेटे के जीवन से क्यो खिलवाड़ कर रहे हा ...? कहां। साथ ही परिजनो ने बच्चे को अन्य हॉस्पिटल में डॉक्टर पाटीदार के नहीं होने पर ले जाने की बात कही। अस्पताल की लापरवाही वह मनमानी के चलते बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर स्थानीय अन्य मेट्रो हॉस्पिटल में उपचार हेतु ले जाया गया। जहां तत्काल प्राथमिक इलाज के साथ सभी लीवर फक्शन टेस्ट डॉक्टर ने करवाएं तो पेट में अत्याधिक इंफेक्शन जांच रिपोर्ट में बताया गया और वहा के डॉक्टर ने कोटा ले जाने की सलाह दी। जिसके बाद तत्काल मासूम पुरू को उपचार हेतु कोटा ले जाया जा रहा था की रास्ते में ही करीब साढे 4 बजे माता-पिता की गोद में ही प्रहल(पुरू) के प्राण निकल गए।

प्रहल को एडमिड से लेकर अस्पताल से रिलीव करने तक नवजीवन हॉस्पिटल नें दिखाई अपनी कारस्तानी, जो बना मौत का भी कारण

किसी का गला रेत या हमला कर मार देने पर ही मामला हत्या की श्रेणी में नहीं आता वरन् अपने आर्थिक लाभ, अनियमितताएं व मनमानी के साथ जानबूझकर ऐसा कोई भी कृत्य किया जाए जिसमें किसी भी की मौत हो जाए तो वह भी हर मायने में हत्या की श्रेणी में ही माना जाता है। तथा नवजीवन हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने उक्त घटना को देखते हुए सीधे रूप से प्रदर्शित हो रहा है कि, अपने क्षणिक लाभ के लिए प्रहल को सुबह साढे 6 से प्राथमिक सीबीसी जांच करवा कर विशेषज्ञ डॉक्टर शैलेंद्र पाटीदार जोकि पूर्व से ही कुछ दिनों की छुट्टी पर होने के बावजूद उनके नाम से ही ओपीडी दर्ज करवाकर भर्ती करने के साथ ही 7 घंटे तक बिना ऐलोपेथिक डिग्रीधारी डॉक्टरो से ऐलोपेथिक इलाज हॉस्पिटल मैनेजमेंट द्वारा बिना किसी जांच करवाए उपचार करते रहे। इतना ही नहीं बिना डिग्रीधारी डॉक्टर व मैनेजमेंट ने अपनी मनमानी के साथ क्षणिक लाभ के लिए 7 घंटे तक उपचार करते रहे वरन बच्चे का स्वास्थ्य ठीक है बताने वाले इन फर्जी डॉक्टर ने बच्चे के रिलीव के समय भी पर्चे में प्लीज शो टू डॉक्टर शैलेंद्र पाटीदार सर लिख अपनी बदनियती रूपी कारस्तानी को बता कर, यह सिद्ध किया है कि नवजीवन हॉस्पिटल एवं उक्त फर्जी डॉक्टरो ने मिलकर एक मासूम को मौत के घाट उतार दीया।

बिना ऐलोपेथिक डॉ. द्वारा प्रहल का इलाज के नाम पर मौत देने वाले फर्जी डॉ. व मैनेजमेंट के विरूद्ध हर कोई उतरा सडक पर।

चिकित्सको की जानकारी अनुसार बता दें कि, नवजीवन हॉस्पिटल ने बिना ऐलोपेथिक विशेषज्ञ डॉक्टर के ऐलोपेथिक उपचार करना तथा हॉस्पिटल के मैनेजमेंट द्वारा इस तरह से ऐलोपेथिक इलाज करवाना ही अपराध की श्रेणी में आता है। वहीं अगर कोई डॉक्टर अन्य किसी हॉस्पिटल या किसी विशेषज्ञ डॉक्टर को उपचार हेतु भेजे जाने पर उक्त हॉस्पिटल का नाम तथा डॉक्टर के नाम के साथ रेफर लिखकर उपचार हेतु भेजा जाता है। जबकि उक्त नवजीवन हॉस्पिटल ने जो विशेषज्ञ डॉक्टर इस निजी हॉस्पिटल में ही पदस्थ होकर जो कि पुर्व से ही कुछ दिनो की छुट्टी पर थे। पेशेंट को उन्ही डॉक्टर शैलेंद्र पाटीदार को बताने के लिए प्लीज शो टु डॉक्टर एस. पी. सर लिखना ही चिकित्सा क्षेत्र में कोई शब्द होता ही नहीं है। ऐसे में नवजीवन हॉस्पिटल की घोर लापरवाही ही माना जाकर उक्त मासूम की मौत का जिम्मेदार माना जा सकता है।

वहीं कुछ चिकित्सको ने गूंज को बताया, कोई भी ऐलोपेथिक निजी या शासकीय हॉस्पिटल में किसी भी बीएचएमएस या अन्य डिग्री धारी डॉक्टर को ऐलोपेथिक उपचार से कोई लेना देना नहीं होता है। आवश्यकता पढ़ने पर एमबीबीएस या एमडी डॉक्टरो के द्वारा किसी भी पेशेंट को दिया जाने वाला उपचार का फालोअप करते हुए डॉक्टर की लिखी मेडिसिन को समय पर देने का कार्य कर सकते हैं।

मनमानी के विरोध उतरा नगर का हर व्यक्ति

उक्त घटना के बाद नगर ही नहीं वरन झालावाड़ क्षेत्र भी आक्रोश में है। वहीं हॉस्पिटल के विरुद्ध स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में कैंडल मार्च वह बाइक रैली निकालकर अपना विरोध जताया। तथा जिला प्रशासन से लेकर संबधिंत विभाग के आयुक्त, मंत्री, राज. व केंद्र के मेडिकल काउंसलिंग से लेकर मुख्यमंत्री व राष्ट्रपति तक ज्ञापन एवं लिखित शिकायत के माध्यम से नवजीवन हॉस्पिटल के मैनेजमेंट के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की जा रही है। मामले में कार्रवाई नहीं होने पर विरोध बड़े रूप में सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

क्या होगी सख्त कार्रवाई...?

क्या बिना किसी विशेषज्ञ डॉक्टर के नवजीवन हॉस्पिटल द्वारा बच्चे को एडमिट करना उचित था...?

डॉक्टर पाटीदार आ रहे है कह कर बिना जाच रिपोर्ट करवाए ही 7 घंटे तक बिना ऐलोपेथिक डॉक्टर द्वारा मासूम का उपचार किया जाना क्या उचित था...?

विशेषज्ञ डॉक्टर पाटीदार जोकि कुछ दिनों की छुट्टी पर होने के बावजूद प्लीज शो टु डॉ. एस.पी. सर लिख कर पेशेंट को रिलीव करना क्या चिकित्सय व्यवस्था में सही है...? आदि मुद्दो पर प्रशासन इसकी जांच कर कार्रवाई करता है तो ही शायद आगे कोई अन्य प्रहल के प्राण ऐसे स्वार्थी हॉस्पिटल व मैनेजमेंट से बचाया जा सकता है।

नाम बडे दर्शन खोटे उर्फ मासुम का हत्यारा नव जीवन हास्पिटल।

विकास यात्रा का प्रशासनिक ढकोसला... या विधानसभा चुनावों की तैयारी

ग्रामीण क्षेत्रों में समस्या जस की तस, विकास यात्रा चुनावी वादों की तरह

विधानसभा चुनावों को लेकर सरकार का प्रचारक बनता नजर आ रहा प्रशासन

माही की गूंज, झाबुआ।
मुज्जमील मंसुरी

वैसे तो यह साल चुनावी साल हैए और इसी वजह से प्रदेश सहित जिले में कई उठा पटक देखने को मिल रही है। आम तौर पर चुनाव प्रचार नेताओं की आमसभाओं के जरिए देखा जाता है, लेकिन इस बार कहानी कुछ उल्टी नजर आ रही है। विधानसभा चुनावों को लेकर फिलहाल कोई अधिकारिक घोषणा नहीं है। घोषणा होने के बाद राजनीतिक आमसभाओं का दौर होगा, लेकिन स्थितियों को भांपते हुए सरकार ने अभी से ही अपनी चुनावी पाल बांधना शुरू कर दी है। पूरे प्रदेश में चुनावों के कुछ माह पूर्व जिस तरह से सरकार विकास यात्रा निकाल रही है, यह इस बात का प्रमाण भी है। मगर जमीनी हकीकत कुछ और ही है। प्रदेश में पिछले सालों में सरकार ने क्या किया है यह एक अलग प्रश्न है, लेकिन प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र के आखिरी छोर पर बसे इस आदिवासी बाहुल झाबुआ जिले में जमीनी हकीकत विकास से कोशो दूर नजर आ रही है। प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुसार जिले में भी विकास यात्रा का ढकोसला चल रहा है। कहने को जिला प्रशासन पूरे जिले में इस विकास यात्रा का आयोजन कर रहा है, लेकिन स्थितियां कुछ भी ठीक दिखाई नहीं दे रही है। जिले के कई ग्रामीण क्षेत्र अभी से जल समस्या से जूझने लगे है। अब भी ग्रामीण क्षेत्रों में सडकें नदारद है। तो प्रशासनिक अमला जिले में कई बड़े भ्रष्टाचार के आयाम गढने में लगा हुआ है। विकास यात्रा के दौरान छोटी-मोटी समस्या का तो प्रशासन मौके पर निराकरण कर रहा है लेकिन ग्रामीणों की बड़ी समस्याओं पर अब भी चुनावी वादों की तरह वादे और आश्वासन ही दिए जा रहे है। जिले के कई क्षेत्रों में विकास यात्रा से ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों की दूरी भी कई सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की गैर मौजूदगी की वजह से जगह-जगह यात्रा के स्वागत में स्कूली बच्चों का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रशासनिक ढकोसले की यह विकास यात्रा कहीं घंटो विलंब से शुरू होती तो कहीं यात्रा के दौरान पडने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में रूकती तक नहीं। सरकारी कार्यक्रम के अनुसार जिन गांवों से होकर यह यात्रा निकलेगी उन गांवों की गिनती उंगलियों पर की जा सकती है। जबकि 6 विकास खंडों के इस जिले में 375 ग्राम पंचायतें ही है। इसके अलावा ग्राम पंचायतों में पडने वाले छोटे ग्रामों की संख्या 890 है, इसमें से कई ग्राम इस विकास यात्रा से अछूते ही रहेंगे।

5 से 25 फरवरी तक चलने वाली इस विकास यात्रा में सभाओं के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं पर चर्चाएं भी हो रही है, लेकिन प्रशासन छुट-पुट समस्याओं का निराकरण कर बाकी बड़ी समस्याओं पर आश्वासन का कटौरा ही थमा रहा है। कहने को यह यात्रा सरकारी है लेकिन इस यात्रा को लेकर जिले में राजनीतिक दलों में घमासान मचा हुआ है। आरोप प्रत्यारोप का दौर भी जमकर चल रहा है। यात्रा का विरोध भी हो रहा है। कांग्रेस के अनुसांगिक छात्र संगठन जिला मुख्यालय पर विकास की अर्थी निकाल रहे है। तो भाजपा द्वारा विकास यात्रा में भीड़ नही आने देने का दोष कांग्रेसी सरपंचों के सिर मढ़ा जा रहा है, कुल मिलाकर जमकर राजनीति हो रही है। इसी राजनीति के बीच प्रशासन, विकास यात्रा की जमकर माथा उतारनी भी कर रहा है।

एक तरफ तो जिले में प्रशासन विकास यात्रा निकाल रहा है। वहीं दूसरी और ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय की ओर दौड़ लगा रहे है। मंगलवारीय जनसुनवाई में भी आवेदकों की संख्या कम होती नजर नहीं आ रही है। मंगलवार को जिले भर से जनसुनवाई में समस्याओं को लेकर 40 आवेदक पहुंचे। इन्ही मे से कुछ आवेदन ग्रामीणों की बड़ी और मूलभूत समस्याओं को लेकर थे। पेटलावद ब्लॉक की ग्राम पंचायत अमरगढ़ के सरपंच ने एक आवेदन देते हुए बताया कि, ग्राम में अभी से जल संकट अपने पैर पसार चुका है। ग्राम में भू-जल स्तर गिरने से समस्या ने बड़ा रूप अपना लिया है, ग्राम के सारे तालाब लगभग अभी से सूख चुके है। नल-जल योजना के लिए किए गए बोरवेल भी जवाब दे चुके है। ग्राम के लगभग सारे निजी व सरकारी बोरवेल की स्थिति भी खराब हो चुकी है। लोगों को पिछले 20 दिनों से नलों से पानी नहीं मिला है। सरपंच का कहना है कि, वे सीएम हेल्प लाइन पर भी इस समस्या को लेकर गुहार लगा चुके है लेकिन अब तक कोई स्थाई हल नहीं निकल पाया है। लोग पैसा खर्च कर जलआपुर्ति कर रहे है। मवेशियों के लिए भी टेंकर द्वारा ही पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। ग्रामीणों को प्रति टेंकर 600 रुपये तक देकर अपने व मवेशियों के लिए पानी खरीदना पड़ रहा है।

वैसे तो हर सोमवार को जिला प्रशासन द्वारा समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान जनसुनवाई और सीएम हेल्प लाइन के आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को कलेक्टर द्वारा दिए जाते है, लेकिन जमीनी हकीकत इस तरह के मामलों से सामने आ ही जाती है। कई मामलों में तो शिकायतकर्ता की फजीहत ही हो जाती है, आधिकारी आवेदनकर्ता पर शिकायत वापस लेने का इतना दबाव बनाते है कि, वह मजबूर हो जाता शिकायत वापस लेने पर। जिसे अधिकारी निराकरण होना बता देते है। जनसुनवाई की भी कुछ ऐसी ही हकीकत है। जनसुनवाई में कई अधिकारी सभा कक्ष के बाहर ही शिकायत कर्ता को रोककर सेटल कर लेते है, तो कई शिकायतकर्ता अपनी शिकायत लेकर हर मंगलवार दौड़ते ही रह जाते। इस तरह के उदाहरण की एक लंबी फहरिस्त है। अब अमरगढ़ सरपंच को जनसुनवाई में फिर से समस्या के निराकरण का आस्वासन तो मिला है, लेकिन यह आस्वासन हकीकत को साकार करेगा यह अब भी समय के गर्त में है। वरना जिले में जो प्रशासन की विकास यात्रा चल रही है सो तो चल ही रही है।

विकास यात्रा में होने वाली सभाओं में ग्रामीणों से ज्यादा तो रसूखदारों की भीड़

जिले में निकाली जा रही विकास यात्रा यूं तो भाजपा सरकार की योजनाओं का बखान करने और ग्रामीणों की समस्याओं को हल करने के लिए निकाली जा रही है, लेकिन जिन ग्रामों से होकर यह यात्रा निकल रही है वहां के हालात जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। झाबुआ ब्लॉक के ग्राम तलावली में विकास यात्रा पहुंची। सभाओं का आयोजन हुआ, सरकार की योजनाओं का बखान भी किया गया। ग्रामीणों से समस्याएं भी पूछी गई। मगर इसी ग्राम तलावली में 2011 में माही परियोजना के तहत टंकी का निर्माण किया गया था। ग्रामीणों के अनुसार इस टंकी में अब तक एक बार भी पानी भरा ही नहीं गया। यहां ग्रामीण अब भी हैंडपंप पर ही निर्भर है और ग्रामवासी अब भी जल समस्या से जूझ रहा है। यहां 2011 की एक योजना अब भी अधर में है और प्रशासन इसी गांव में विकास यात्रा निकाल रहा है। सरकार की उपलब्धियां उन ग्रामीणों को सुनाई जा रही है जो अब भी जल समस्या से जूझ रहे है।

इसी तरह के हालात लगभग पूरे जिले में है। प्रशासन द्वारा निकाली जा रही इस विकास यात्रा पर शुरूआत से ही मीडिया ने सवाल खड़े किए है। जहां-जहां से विकास यात्रा गुजर रही है, वहां-वहां मीडिया ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की बखिया उधेड़ता नजर आ रहा है। विकास से कोसों दूर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन इस विकास यात्रा का ढकोसला भर करता नजर आ रहा है। सरकार और प्रशासन की कथनी और करनी को देखते हुए ग्रामीण भी इस विकास यात्रा से दूर ही दिखाई पड़ रहे है। मगर जनप्रतिनिधियों का इस विकास यात्रा से दूरी बनाना कई गंभीर सवाल खड़े रहा है। क्या इस विकास यात्रा से जनप्रतिनिधियों की दूरी सरकार से नाराजगी का सबब तो नहीं। और अगर ऐसा है तो परिणाम गंभीर हो सकते है। हालांकि इस विकास यात्रा के प्रशासनिक ढकोसले में खुद प्रशासन के नुमाईदे भी नदारद नजर आ रहे है। जिले के आला अधिकारी जरूर कहीं-कहीं इस विकास यात्रा के दौरान फोटो शेसन करवाते नजर आ जाते है लेकिन अधिकतर जगहों पर नीचले स्तर के कर्मचारी व पटवारी इस यात्रा को निपटा रहे है। स्कूली बच्चे यात्रा का स्वागत कर रहे है तो कई जगहों पर सभाओं में भी इन्ही स्कूली बच्चों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

प्रदेश भर में निकाली जा रही इस तरह की विकास यात्रा का उद्देश्य, आने वाले विधानसभा चुनावों को साधना है तो यह निश्चित है कि झाबुआ जिले में इसके परिणाम शायद ही सार्थक हो सके। क्योंकि जिले की स्थिति, दशा और दिशा को लेकर जनप्रतिनिधि और प्रशासन कतई गंभीर नजर नहीं आ रहे। जिले में विकास यात्रा को लेकर प्रशासन माथा उतारनी कर रहा है, तो जनप्रतिनिधि भी अपनी मस्ती में मस्त ही दिखाई पड़ रहे है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में समस्याएं जस की तस खड़ी हुई है। जिला प्रशासन समस्याओं के निराकरण की बजाए सरकार का चुनावी प्रचारक बनता नजर आ रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422